आश्विन शुक्ल - 8 | संवत 2080 | वर्ष - 19 | अंक - 89 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » रविवार » 22-10-2023 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस और राजद को 'भयभीत और भ्रमित' करना चाहते हैं नीतीश : सुशील मोदी

6 मेजर सुशील ऐमा : 'उनकी मौजूदगी से आतंकवादी खौफ खाते थे'

7 चार साल के आत्मनिर्वासन के बाद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ स्वदेश लौटे

पहला मानवरहित उड़ान परीक्षण सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा/चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन–1 (टीवी–डी1) को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के शार रेंज से सफलतापूर्वक परीक्षण किया। भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक के बाद एक कड़ी में अपनी शक्ति बढ़ा रहा है। हाल के दिनों में चंद्रयान–3 की चन्द्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और आदित्य–एल1 की लॉन्चिंग दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी है। अब इसरो की नजर गगनयान मिशन पर है जिसके तहत तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा। इसरो ने शनिवार को गगनयान के तहत इसके पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन–1 (टीवी–डी1) को श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया। इस उद्देश्य में इस्तेमाल होने वाले परीक्षण वाहन 'क्रू एस्केप मॉड्यूल' का उपयोग करते हुए यह परीक्षण किया गया। क्रू एस्केप मॉड्यूल लॉन्च के बाद अंतरिक्ष में पहुंचा और फिर सही–सलामत बंगाल की खाड़ी में उतर गया।

इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ ने गगनयान की पहली सफलता को लेकर कहा, मुझे गगनयान टीवी–डी1 मिशन की सफलता की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

परीक्षण यान प्रक्षेपण कवायद में 'क्रू मॉड्यूल' की पुनर्प्राप्ति सफलतापूर्वक हुई : इसरो प्रमुख

चेन्नई/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि गगनयान परियोजना के तहत शनिवार को प्रक्षेपित परीक्षण उड़ान–डी1 मिशन के 'क्रू मॉड्यूल' की समुद्र से सफलतापूर्वक पुनर्प्राप्ति कर ली गई। इसरो के अनुसार, मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान से पहले टीवी–डी1 परीक्षण यान को आज सुबह 10 बजे सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। क्रू मॉड्यूल रॉकेट से अलग हो गया और योजना के अनुसार बंगाल की खाड़ी में गिर गया। नौसेना ने भी पुष्टि की कि इसकी पूर्वी कमान के कर्मियों ने बंगाल की खाड़ी से 'क्रू मॉड्यूल' की पुनर्प्राप्ति कर ली। सोमनाथ ने यहां पत्रकारों से कहा, क्रू मॉड्यूल अब समुद्र से पूरी तरह से बरामद हो गया है। इसे चेन्नई बंदरगाह पर लाया गया है। उन्होंने कहा, सबकुछ ठीक है, सब सामान्य है। कोई विसंगति नहीं दिखी। इसरो प्रमुख ने कहा, इसका मतलब वास्तव में अच्छा है। सभी डेटा बहुत अच्छे हैं।

यह पूछे जाने पर कि अगली कवायद क्या होगी, सोमनाथ ने कहा कि इसरो गगनयान मिशन के लिए सिलसिलेवार परीक्षण करेगा। उन्होंने कहा, 20 प्रमुख परीक्षण हैं। एक–एक करके हम इसे कर रहे हैं। इस बीच, नौसेना ने कहा, पूर्वी नौसैन्य कमान इकाइयों ने क्रू मॉड्यूल को बरामद कर लिया है – व्यापक योजना, नौसेना के गोताखोरों के प्रशिक्षण, मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के निर्माण और नौसेना एवं इसरो की संयुक्त टीम द्वारा संयुक्त संचार से मार्ग प्रशस्त।

महागौरी

श्वेते वृषे समारूढा श्वेताम्बरधरा शुचि:।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।।

मां दुर्गाजी की आठवीं शक्ति का नाम महागौरी है। इनका वर्ण पूर्णत: गौर है। इस गौरता की उपमा शंख, चन्द्र और कुंद के फूल से दी गई है। इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गयी है – 'अष्टवर्षा भवेद् गौरी'। इनके समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं। इनकी चार भुजाएं हैं। इनका वाहन वृषभ है। इनके ऊपर के दाहिने हाथ में अभय मुद्रा और नीचे वाले दाहिने हाथ में त्रिशूल है। ऊपर वाले बाये हाथ में डमरू और नीचे के बाये हाथ में वर मुद्रा है। इनकी मुद्रा अत्यन्त शांत है।

'अध्यात्मवाद के खिलाफ नहीं है द्रमुक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सत्तारूढ़ द्रमुक के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को यहां कहा कि द्रमुक केवल 'आर्यन' आधिपत्य के खिलाफ है और यह अध्यात्मवाद के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि चाहे मंदिरों में पूजा करना हो या भक्ति, यह व्यक्ति का अपने अधिकार और इच्छा का मामला है।

सोशल मीडिया पर मजबूत उपस्थिति वाले स्वयंसेवकों और पार्टी समर्थकों के साथ बातचीत में स्टालिन ने कहा कि हालांकि उनमें से प्रत्येक की प्रस्तुति में एक विशिष्ट शैली होती है, लेकिन उन सभी का सार 'डीएमके (द्रमुक) की शैली' है।

पार्टी प्रमुख ने कहा, ''ऐसे स्वयंसेवक पार्टी की ताकत हैं, क्योंकि वे वह कह सकते हैं, जो हम नहीं कह सकते और जिसे बोलने में हम झिझकते हैं।'' उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों के पास अब उनकी पत्नी दुर्गा स्टालिन के मंदिरों के दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का काम ही रह गया है। स्टालिन ने कहा, ''दुर्गा तमिलनाडु के सभी मंदिरों के दौरे कर रही हैं, यह उनकी इच्छा है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी पत्नी को मंदिर जाने से कभी नहीं रोका। मुख्यमंत्री ने कहा, हम केवल आर्य आधिपत्य के दुश्मन हैं, हम अध्यात्मवाद के खिलाफ नहीं हैं; (मंदिरों में पूजा करना) और भक्ति व्यक्तियों का अधिकार और इच्छा है।

केंद्र सरकार ने दशकों से लंबित फैसले लेकर कम किया अगली पीढ़ी का बोझ : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2014 के बाद दशकों से लंबित कई फैसले लेकर अगली पीढ़ी का बोझ कम करने का काम किया। मोदी मध्यप्रदेश के ग्वालियर में सिंधिया स्कूल के 125वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में 'शॉर्टकट' भले तात्कालिक लाभ पहुंचा दे, पर 'लांग टर्म' सोच ही अंत में लाभ पहुंचाती है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि 2014 में जब देश ने उन्हें प्रधानमंत्री का दायित्व दिया तो उनके सामने दो विकल्प थे। या तो सिर्फ तात्कालिक लाभ के लिए काम करें या लांग टर्म एप्रोच को अपनाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने तय किया कि अलग–अलग समयसीमा रख कर उनके लिए काम करेंगे। सरकार ने 10 साल की अवधि में कई अभूतपूर्व फैसले किए और लंबित फैसलों से मुक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में पिछले 60 साल से कश्मीर में धारा 370 को हटाने की मांग थी। उसे सरकार ने हटाया। पिछले 40 साल से पूर्व फौजियों को 'वन रैंक वन पेंशन' देने की मांग थी, उसे भी किया गया। 40 साल से जीएसटी की मांग थी, ये भी किया। दशकों से मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक के खिलाफ कानून की मांग कर रहीं थीं, वो भी मौजूदा सरकार ने बनाया। कुछ सप्ताह पहले लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के आरक्षण का कानून बनाया।

मोदी ने कहा कि कामों की इतनी लंबी फेहरिस्त है कि पूरी रात बीत जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ये फैसले नहीं लेती तो इसका बोझ आने वाली पीढ़ी पर होता। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी का बोझ सरकार ने हल्का कर दिया है। सरकार की कोशिश यही है कि युवा पीढ़ी के लिए देश में सकारात्मक माहौल रहे, जिसमें उनके लिए अवसरों की कमी ना हो। उन्होंने कहा कि उनका दो वजहों से ग्वालियर से विशेष नाता है। एक तो वे काशी के सांसद हैं और काशी की सेवा करने में सिंधिया परिवार की बड़ी भूमिका रही है। सिंधिया परिवार ने गंगा किनारे कई घाट बनवाए हैं और बीएचयू की स्थापना में आर्थिक मदद की। दूसरी वजह ये है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुजरात के दामाद हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल का हर छात्र संकल्प ले कि भारत को विकसित बनाने में हरसंभव योगदान देंगे।

फर्स्ट टेक

बाइडन प्रशासन का एच1बी वीजा कार्यक्रम में बदलाव का प्रस्ताव

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने एच1बी विदेशी कर्मचारी कार्यक्रम में बदलाव का प्रस्ताव रखा है जिसका मकसद पात्रता को युक्तिसंगत बनाकर दक्षता में सुधार करना, एफ–1 छात्रों, उद्यमियों और गैर–लाभकारी निकायों के लिए काम करने वाले लोगों को अधिक लचीलापन प्रदान करना और अन्य प्रवासी कर्मचारियों के लिए बेहतर स्थिति सुनिश्चित करना है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) इन नियमों को 23 अक्टूबर को संघीय रजिस्टर में आधिकारिक रूप से प्रकाशित करेगी।

नहीं हुआ 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति भवन में शनिवार को 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह नहीं हुआ। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई थी। 'चेंज ऑफ गार्ड' एक सैन्य परंपरा है, जो हर सप्ताह राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के एक नए समूह को कार्यभार सौंपने के लिए आयोजित की जाती है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, ''सेरेमोनियल आर्मी गार्ड की आधिकारिक प्रतिबद्धता के कारण 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह कल (21 अक्टूबर, 2023) राष्ट्रपति भवन में नहीं होगा।

कर्नाटक सरकार ने अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3.75 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने शनिवार को अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3.75 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की। सरकार ने एक आदेश में कहा कि वह महंगाई भत्ते को मौजूदा 35 प्रतिशत से संशोधित कर 38.75 प्रतिशत कर रही है।

सरकार ने यूजीसी/एआईसीटीई/आईसीएआर पैमाने पर व्याख्याताओं और न्यायिक अधिकारियों के डीए में चार प्रतिशत वृद्धि की भी घोषणा की। इस बढ़ोतरी के बाद राज्य सरकार 1,109 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करेगी।

21-10-2023 सूर्यास्त 5:57 बजे	22-10-2023 सूर्योदय 6:11 बजे
BSE 65,397.62 (-231.62)	NSE 19,542.65 (-82.05)
सोना 6,223 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 73,500 रु. प्रति किलो

महुआ मोइत्रा पर निशिकांत दुबे ने एक बार फिर निशाना साधा

मोइत्रा जब भारत में थीं तब उनके संसदीय लॉगिन आईडी का दुबई में हुआ इस्तेमाल

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर एक बार फिर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सदस्य निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा कि जब वह (मोइत्रा) भारत में थीं तब उनके संसदीय लॉगिन आईडी का इस्तेमाल दुबई में किया गया था। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने जांच एजेंसियों को इस बारे में खुलासा किया है।

भाजपा नेता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कुछ पैसे के लिए एक सांसद ने देश की सुरक्षा को गिरवी रखा। दुबई से संसद के आईडी खोले गए,उस वक़्त कथित सांसद भारत में ही थे। पूरी भारत सरकार, देश के प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) जी, वित्त विभाग, केन्द्रीय एजेंसियां इस एनआईसी का इस्तेमाल करते हैं। दुबे ने एजेंसी का नाम नहीं बताते हुए पोस्ट में लिखा, क्या तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दलों को अब भी राजनीति करना है। निर्णय जनता करेगी। एनआईसी ने यह जानकारी जांच एजेंसी को दी है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत आने वाला राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, संघ शासित प्रदेश प्रशासन, जिले और अन्य सरकारी निकाय को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) समाधान अपनाने और ई–गवर्नेंस सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बीएसएफ ने जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप चेतावनी के तौर पर गोलीबारी की

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप शनिवार को पाकिस्तान रेंजर्स के साथ कुछ लोगों के एक समूह को करीब आते देख चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। आर.एस. पुरा सेक्टर के अरनिया इलाके में हुई घटना पर आधिकारिक टिप्पणी के लिए बीएसएफ से बार–बार संपर्क किए जाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। सूत्रों के अनुसार, गोवंशों के झुंड के साथ 20 से अधिक लोगों के एक समूह के साथ पाकिस्तान रेंजर्स के तीन जवान दोपहर के करीब भारतीय क्षेत्र में दाखिल हुए।

आतंकवाद, नक्सलवाद, पूर्वोत्तर में उग्रवाद में कमी आई है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

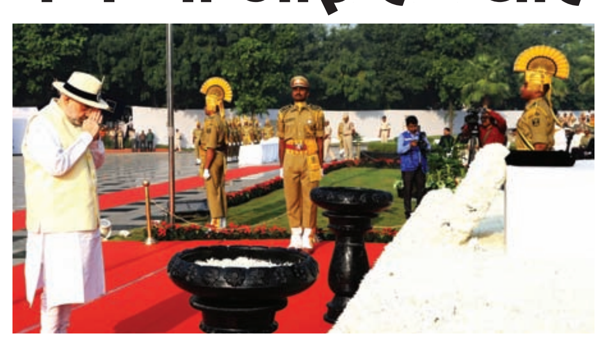

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद, नक्सलवाद (वामपंथी चरमपंथ) और पूर्वोत्तर में उग्रवाद की घटनाओं में 65 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि देश के तीन संवेदनशील क्षेत्रों – एलडब्ल्यूई (वामपंथी चरमपंथ से प्रभावित राज्य), पूर्वोत्तर और जम्मू–कश्मीर– में अब शांति स्थापित हो रही है।

गृहमंत्री ने 'पुलिस स्मृति दिवस' पर यहां राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की नीति को कायम रखते हुए कड़ा कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 'पुलिस प्रौद्योगिकी मिशन' की स्थापना कर उसे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ आतंकवाद–रोधी बल बनाने की दिशा में काम किया है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चतुर्युग देश दशा

था एक समय जब कहलाता,
यह देश कभी योद्धाओं का।
सोने की चिड़िया लुटी तभी,
यह हो गया सिर्फ अभावों का।
मुगलों अंग्रेजों के युग में,
यह था मेहनतकश गाँवों का।
आजादी बाद दलों में बँट,
यह हो गया सिर्फ चुनावों का।।

बहुमंजिला इमारतों में हमास की निगरानी चौकियों पर इजरायल के हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/वार्ता। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि उसने बहुमंजिला इमारतों के अंदर हमास के स्नाइपरों और निगरानी चौकियों पर हमला किया है। आईडीएफ ने कहा, रात भर आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी में बड़ी संख्या में हमास के आतंकी ठिकानों पर हमले जारी रखे। इन आतंकी लक्ष्यों में ऑपरेशनल कमांड सेंटर, एंटी–टैंक मिसाइल लॉन्चर और आतंकी उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रणनीतिक हमास के बुनियादी ढांचे शामिल थे। आईडीएफ के मुताबिक, इसके अलावा आईडीएफ ने बहुमंजिला इमारतों के अंदर स्थित हमास की एंटी–टैंक मिसाइल, स्नाइपर और निगरानी चौकियों पर भी हमला किया।

सात लाख गाजावासियों को दक्षिण क्षेत्र ले जाया गया

गाजा/वार्ता। गाजा पट्टी के कम से कम सात लाख नागरिकों को उत्तरी क्षेत्र से निकालकर दक्षिणी क्षेत्र में ले जाया गया है। इजरायली अखबार हारेत्ज ने शनिवार को एक वरिष्ठ इजरायली सुरक्षा अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि लगभग 350,000 लोग अभी भी गाजा पट्टी के उत्तरी क्षेत्र में फंसे हुए हैं। अधिकारी ने यह भी कहा कि गाजा के दक्षिणी क्षेत्र में कोई मानवीय संकट नहीं है। उन्होंने कहा कि वहां दो सप्ताह तक का पानी उपलब्ध है।

इजरायल और फिलिस्तीनी कट्टरपंथी समूह हमास के बीच संघर्ष में दोनों ओर से पांच हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

फिलिस्तीनी-इजरायली संघर्ष को समाप्त करने की कार्रवाई का समय आ गया : गुटेरेस

यरूशलम/वार्ता। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शनिवार को कहा कि फिलिस्तीनी–इजरायल संघर्ष के बढ़ने के कारण गाजा पट्टी में उत्पन्न संकट को समाप्त करने के लिए कार्रवाई करने का समय आ गया है। गुटेरेस ने काहिरा शांति शिखर सम्मेलन में कहा, संघर्षविराम की कार्रवाई का समय आ गया है। इस भयानक दु:स्वप्न को समाप्त करने के लिए कार्रवाई करें। फिलिस्तीन और इज़रायल क्षेत्र में हमारी दुनिया के बच्चों के सपनों के लायक भविष्य बनाने के लिए कार्रवाई करें।

सहज स्मृति योग

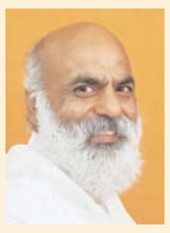

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: किसी घटना के घटने या उसे घटाने की क्रिया में कर्ता, प्रेरक और अनुमोदक ये तीनों ही सामान फल पाते हैं या भिन्न भिन्न फल मिलता है तीनों को?

उत्तर: गुरु दृष्टि परम दृष्टि है उसमें कोई कर्ता होता नहीं है, वह परम सत्य स्वरूप अवस्था है। कर्म और उसके फल के बीच अवकाश नहीं होता। सायुज्यता, सामीप्यता, सालोक्यता और सारूप्यता से उसका संकेत करते हैं, वही दृष्टि अवतरित होने पर ईश्वर-दृष्टि कही जाती है और अवतरण की अवस्था में 'प्रेरक' का अस्तित्व प्रकट हो जाता है। सृष्टि या द्वैत या नानात्व का आरंभ इसी बिंदु से होता है। भव अर्थात् संसार में जो अनुभव किसी को मुदित करे वह उसके अनुमोदन की अवस्था होती है। यही क्रम है। जिसकी दृष्टि में जो परम सत्ता हो उसका उसकी शरण में जाना, समर्पित होना उसका अनुगामी होना, अनु-भव होना है। भावातीत विश्वास, श्रद्धाभाव और भक्ति भावना से वचन पालन कर उसी का अनुग्रह पा लेना विधि है। विधि क्रम को समाधिस्थ हो ध्यान से देखेंगे तो पाएँगे कि न तो कर्ताओं, अनुमोदकों और प्रेरकों का तीन व्यक्ति होना आवश्यक है और ना ही यह आवश्यक है कि कोई न कोई व्यक्ति कर्ता, अनुमोदक, प्रेरक हो ही। इस प्रकार बिना किसी के कोई कर्म किए भी विधिवत या चक्र पूरा प्रवर्तित हो जाता है। और जब कर्म कोई बना ही नहीं तो फल मिलने का प्रश्न ही कैसे उठेगा? इसके विपरीत गुरु स्मरण के अभाव में किसी के मन में किसी क्षण अज्ञानवश कर्ताभाव घटित हो जाए तो वही घटना का भोक्ता प्रेरक अनुमोदक आदि सब हो जाता है चाहे वह तीनों में से कोई भी हो। क्योंकि, विधान सबके लिए एक समान है।पर विधान का पालन करने में भिन्नता या समानता हो सकती है। इसलिए फल में भी समानता या भिन्नता हो सकती है।

गरबा

सूरत में शनिवार को गरबा उत्सव के दौरान नृत्य प्रस्तुत करते लोग।

विधानसभा चुनाव में बीआरएस 95-105 सीटें जीतेगी : चंद्रशेखर राव

हैदराबाद/भाषा

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने विश्वास जताया है कि चुनावी राज्य में उनका दल 119 विधानसभा सीटों में से 95 से 105 सीटों पर जीत दर्ज करेगा। तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनावों के लिए मतदान होगा जिसका परिणाम तीन दिसंबर को आएगा।

राव ने यह बयान शुक्रवार को गजवेल में बीआरएस की एक व्यापक निर्वाचन क्षेत्र-स्तरीय बैठक में दिया। वह इसी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 में नोटबंदी और उसके बाद कोविड-19 महामारी के कारण तेलंगाना की आर्थिक वृद्धि कम हो गई थी जिससे वित्तीय बाधाओं के चलते कुछ विकास कार्यक्रम धीमे हो गए थे। उन्होंने कहा,'देश के युवा राज्य ने बहुत सी कठिनाइयों और बलिदानों के माध्यम से विकास की महान ऊंचाइयां हासिल कीं।

राव के हवाले से बीती रात जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने जनता से पार्टी के उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य अपने विकास के महत्वपूर्ण चरण में पहुंच गया है। क्रियान्वित विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने के लिए बीआरएस को फिर से जीतना चाहिए। उन्होंने कहा,'हमें वर्तमान की वृद्धि और उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना एक सतत प्रक्रिया है और हमें लोगों को अच्छी गुणवत्ता वाला जीवन प्रदान करना चाहिए। मुख्यमंत्री केसीआर (राव के समर्थक उन्हें स्नेहवश केसीआर बुलाते हैं) ने कहा कि गजवेल के लोगों ने उन्हें पसंद किया और लगातार दो बार जीत दिलाई। विधानसभा क्षेत्र का विकास हुआ है और वह इसके अधिक विकास के लिए काम करेंगे।

भारत के सभी हिस्सों में भूजल स्तर के गिरने को लेकर राव ने कहा कि तेलंगाना में भूजल स्तर में वृद्धि हुई है। अध्ययनों से पता चला है कि कालेश्वरम परियोजना और कोंडापोचम्मा एवं मल्लन्ना सागर जलाशयों के निर्माण से राज्य में भूजल स्तर के सुधार में मदद मिली है।

अपनी विरासत को विस्मृत करके कोई समाज-राष्ट्र विकास की बुलंदियां नहीं छू सकता : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अपनी विरासत एवं अतीत को विस्मृत करके कोई समाज-राष्ट्र विकास की बुलंदियों को नहीं छू सकता है। उन्होंने शनिवार को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम के निकट सीजी सिटी में 23 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नौसेना शौर्य संग्रहालय का शिलान्यास किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, अतीत सदैव व्यक्ति एवं समाज के साथ चलता है। अतीत का गौरवशाली क्षण नई प्रेरणा होती है। यहां जारी एक अधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा, आज लखनऊ एवं प्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण है, जब नौसेना शौर्य संग्रहालय के स्थापना की नींव इस नए उभरते क्षेत्र सीजी सिटी में गोमती नदी के तट पर पड़ रही है। योगी ने यहां पौधरोपण भी किया। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के बच्चों ने राष्ट्रगीत एवं भारतीय नौसेना के बैंड ने अपनी प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह उत्तर प्रदेश के जल परिवहन एवं युवाओं के रोजगार की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा, 40-50 वर्ष पहले गांवों में हम सुनते थे कि नौकाओं से जल परिवहन होता था। जब सड़कों का जाल नहीं था, ट्रेन का प्रभावी आवागमन नहीं था तब एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन एवं वस्तुओं को ले जाने का माध्यम जलमार्ग ही था। योगी ने संभावनाओं पर ज़ोर देते हुए कहा, उत्तर प्रदेश में पर्याप्त जल संसाधन हैं। इन नदियों के माध्यमों एवं क्षमता को देखते हुए उत्तर प्रदेश अपने यहां राज्य जल परिवहन प्राधिकरण के गठन की कार्रवाई को बढ़ा रहा है। प्रदेश के अंदर जल परिवहन की संभावना का उपयोग करते हुए हम किसी भी वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पहले 'इनलैंड वाटरवे' से वाराणसी और हल्दिया को जोड़ दिया है, जो क्रियाशील है, अब राज्य का जल परिवहन प्राधिकरण भारत सरकार के प्राधिकार के साथ कार्य करते हुए अपना योगदान देगा तो उत्तर प्रदेश की इस क्षमता को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी नागरिक से धोखाधड़ी के आरोपी की 9.3 लाख डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी जब्त

नई दिल्ली/भाषा

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने धोखाधड़ी के एक मामले में अहमदाबाद के एक व्यक्ति से 9,30,000 डॉलर (लगभग 7.7 करोड़ रुपए) से अधिक मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी रामावत शैशव ने कथित तौर पर खुद को ऑनलाइन विक्रेता कंपनी अमेजन के धोखाधड़ी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के रूप में पेश करके एक अमेरिकी नागरिक को अपने जाल में फंसाया था। अमेरिकी जांच एजेंसी 'संघीय जांच ब्यूरो' (एफबीआई) से मिली जानकारी के आधार पर सीबीआई ने शैशव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान सीबीआई को शैशव के ई-वॉलेट में 28 बिटकॉइन, 22 इथेरियम, 25,572 रिपल और 77 यूएसडीटी मिले। उन्होंने बताया कि इन क्रिप्टोकरेंसी को जब्ती के समय सरकार के वॉलेट में स्थानांतरित कर दिया गया। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित को आश्वस्त किया था कि उसके अमेजन खाते में सेंध लगाने की कुछ लोग कोशिश कर रहे हैं जिससे उसके अमेजन खाते की सुरक्षा को खतरा है।

सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा, आरोपी ने पीड़ित को अपने बैंक खातों से नकदी निकालने और उसे रॉकिटकॉइन एटीएम वॉलेट में बिटकॉइन में जमा करने के लिए प्रेरित किया तथा पीड़ित के साथ एक क्यूआर कोड भी साझा किया।

अधिकारी ने कहा, प्रलोभन में आकर पीड़ित ने कथित तौर पर 30 अगस्त, 2022 से नौ सितंबर, 2022 के दौरान अलग-अलग तारीखों पर अपने बैंक खातों से 130,000 अमेरिकी डॉलर की राशि निकाली और उसे आरोपी द्वारा दिए गए बिटकॉइन खाते में जमा कर दिया।

कोटक महिंद्रा बैंक के नए मुखिया होंगे अशोक वासवानी, आरबीआई ने दी मंजूरी

मुंबई/भाषा

निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने अशोक वासवानी को शनिवार को अशोक वासवानी को नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किए जाने की घोषणा की। वासवानी बैंक के संस्थापक उदय कोटक के बाद इसकी कमान संभालने जा रहे हैं। कोटक ने अपना कार्यकाल दिसंबर में पूरा होने के चार महीने पहले ही पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही नए मुखिया की तलाश जारी थी।

देश में निजी क्षेत्र के चौथे बड़े बैंक के प्रमुख बनने जा रहे वासवानी फिलहाल अमेरिकी-इजराइली वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी पगाया टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष हैं। वह सिटी ग्रुप और बार्क्लेज समेत कई वैश्विक बैंकों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। कोटक महिंद्रा बैंक ने एक बयान में कहा कि तीन साल के लिए वासवानी की नियुक्ति को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंजूरी दे दी है।

इसके पहले ऐसी अटकलें चल रही थीं कि कोटक के बाद कंपनी से जुड़ा कोई व्यक्ति ही यह जिम्मेदारी संभालेगा। नियमों के अनुसार, बैंक को वरीयता के आधार पर तीन नाम भेजने होते हैं और इस सूची में बैंक से बाहर का व्यक्ति भी शामिल होना चाहिए। बैंक के दो वरिष्ठ अधिकारी- के वी एस मणियन और शांति एकाम्बरम भी इस दौड़ में शामिल थे। इस पद के लिए वासवानी के सबकी पसंद होने के सवाल पर बैंक के अंतरिम सीईओ एवं एमडी दीपक गुप्ता ने कहा कि वासवानी के नाम की अनुशंसा निदेशक मंडल ने की थी और रिजर्व बैंक ने इसकी मंजूरी दे दी है।

एक बाहरी व्यक्ति को बैंक का शीर्ष अधिकारी बनाने से अन्य दावेदारों के नाखुश होने की आशंका पर गुप्ता ने कहा कि मणियन और एकाम्बरम बैंक में अपनी सेवाएं देते रहेंगे और निदेशक मंडल का हिस्सा भी बने रहेंगे। बैंक के गैर-कार्यकारी निदेशक कोटक ने एक बयान में कहा, अशोक बैंकिंग क्षेत्र में विश्वस्तरीय हैं। उन्हें कोटक में लाकर मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है। वासवानी ने अपनी नियुक्ति पर कहा, मैं कोटक महिंद्रा बैंक की वृद्धि यात्रा को अगले चरण में ले जाने की जिम्मेदारी सौंपने के लिए निदेशक मंडल को धन्यवाद देता हूं। मैं यह विश्व-स्तरीय संस्थान बनाने वाले उदय (कोटक) की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

अनावरण

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल ने शनिवार को नई दिल्ली में आगामी भारत टेक्स 2024 के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम का अनावरण किया।

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को रोकने में कोई भूमिका नहीं निभाई : बघेल

रायपुर/भाषा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्य में नक्सलवाद को रोकने में कोई भूमिका नहीं निभाई, क्योंकि 2014 और 2018 के बीच भाजपा की डबल इंजन की सरकार के दौरान नक्सली हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही थी।

बघेल ने दावा किया कि उनकी सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा की तीन-आयामी रणनीति ने माओवादियों को पीछे धकेल दिया है।

'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में बघेल ने यह भी कहा कि अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सत्ता में आने पर वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे या नहीं, इस बात का फैसला पार्टी आलाकमान करेगा।

छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए सात और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। सत्ताधारी दल कांग्रेस को उम्मीद है कि सरकार की किसान, आदिवासी और गरीब वर्ग की भलाई के लिए चलाई गई योजनाओं के कारण जनता का साथ मिलेगा। साथ ही पार्टी को मुख्यमंत्री भूपेश

बघेल की लोकप्रियता पर भी भरोसा है, जिनकी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और ग्रामीण मतदाताओं पर खासी पकड़ है।

साक्षात्कार के दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार के खिलाफ भाजपा द्वारा लगाए जा रहे घोटालों के आरोपों का खंडन किया और कहा उनकी सरकार को बदनाम करने की साजिश की जा रही है। केंद्र सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का उपयोग कर चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश रही है।

राज्य की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक नक्सली समस्या को लेकर बघेल ने कहा, 2014 और 2018 के बीच छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार (रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार) थी, इस दौरान नक्सल संबंधी घटनाएं बढ़ीं। कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद (2018 में) राज्य सरकार ने विकास की रणनीति लागू की। क्षेत्र में विश्वास और सुरक्षा के परिणामस्वरूप नक्सलियों को पीछे जाना पड़ा। इसमें भाजपा की कोई भूमिका नहीं है। वे ही भड़काने वाले हैं। मणिपुर जल रहा है लेकिन वे वहां नहीं जा रहे हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर नक्सलवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था और कहा था कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल के शासन में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 52 फीसदी की कमी आई है।

कमलनाथ के नारियल तंज पर चौहान ने कहा : कांग्रेस नेता योजनाएं बंद करने के लिए साथ में रखते हैं ताला

भोपाल/भाषा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ प्रदेश में कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने के लिए अपने साथ ताला लेकर चलते हैं। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस प्रमुख कमलनाथ के इस बयान यह प्रतिक्रिया दी कि चौहान योजनाओं का उद्घाटन करने के लिए अपनी जेब में नारियल रखकर चलते हैं।

अपने कई सार्वजनिक संबोधनों में, कमलनाथ ने चौहान को घोषणा मशीन और शिलान्यास मंत्री बताते हुए यह दावा किया है कि मुख्यमंत्री परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए अपनी जेब में नारियल रखते

हैं। अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने एक-दूसरे के खिलाफ अपने हमले तेज कर दिए हैं। राज्य में 17 नवंबर को मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। चौहान के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में दिसंबर 2018 और मार्च 2020 के बीच मुख्यमंत्री रहे कमलनाथ पर भाजपा द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं को बंद करने का आरोप लगाया गया। बयान में चौहान ने कहा, मैं नारियल लेकर चलता हूं क्योंकि मैं विकास और जन कल्याण के लिए काम करता हूं। वह ताला इसलिए रखते हैं क्योंकि वह योजनाओं पर ताले लगाकर उन्हें बंद करने का काम करते हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता (चौहान) ने कहा कि जब कमलनाथ राज्य में सत्तासीन पर थे, तो उन्होंने आदिवासी महिलाओं को पौष्टिक भोजन के लिए 1,000 रुपए प्रति माह, छात्रों के लिए साइकिल और लैपटॉप, लड़कियों की शादी के लिए पैसे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए तीर्थ यात्रा जैसी भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया था। मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा, हां, कमल नाथ अपने साथ ताला लेकर जा रहे हैं और आने वाले चुनाव में जनता इसे भाजपा के कार्यालय में लगा देगी। मिश्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि चौहान अपनी विदाई से पहले अपना आपा खो बैठे हैं और इस तरह की बातें करके लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा शनिवार को श्रीनगर के ज़ेवान में सशस्त्र पुलिस परिसर में पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

सरकार कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए शुरू करेगी व्यापक अभियान

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए छह महीने का लक्ष्य रखा है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार लाभार्थियों तक पहुंचने और योजनाओं से उन्हें जोड़ने के लिए देश की सभी 2.7 लाख पंचायतों में व्यापक अभियान 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' शुरू करेगी।

सूत्रों ने कहा कि यह कवायद अगले महीने दिवाली के बाद शुरू होगी और कई हफ्तों तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से तैयार किए गए रथ देश भर में लाभार्थियों तक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि हाल में मंत्रिमंडल की बैठक में, प्रधानमंत्री ने अपने सहयोगियों को कड़ी मेहनत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया कि जिन योग्य लाभार्थियों को अभी भी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उन तक तेजी से पहुंचा जाए।

शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। एक सूत्र ने कहा, उन्होंने (प्रधानमंत्री) कहा कि वह चाहते हैं कि सरकार की सभी योजनाओं का अगले छह महीनों में पूर्ण क्रियान्वयन हो।

स्वागत

भाजपा उपाध्यक्ष सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास को हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा ओडिशा का राज्यपाल घोषित किये जाने के तुरंत बाद उनके आवासीय कार्यालय में पार्टी समर्थकों और शुभचिंतकों ने उनका स्वागत किया।

फर्जी खबरें अशांति फैलाने के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी डालती हैं असर : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को फर्जी खबरों से समाज में अशांति फैलने और देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एवं प्रति व्यक्ति आय प्रभावित होने का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस को फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। सिद्दरामैया ने मैसूरु रोड स्थित शहीद पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में फर्जी खबरों से पैदा होने वाली समस्याओं पर चर्चा बात की। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें अशांति पैदा करने के साथ व्यापक रूप से नफरत फैला रही हैं।

सिद्दरामैया ने कहा,'यह सरकार और पुलिस की जिम्मेदारी है कि वे इसे देखें और सभी व्यक्तियों के साथ एक जैसा आचरण करे।' उन्होंने कहा, 'झूठी और नफरत भरी खबरें देश की जीडीपी के लिए हानिकारक हैं। अशांति के परिणामस्वरूप लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी प्रभावित होती है। इसलिए फर्जी खबरें फैलाने वालीं वेबसाइट और उनके संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।'

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि नई प्रौद्योगिकी आने के साथ पुलिस विभाग को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर तकनीक में सुधार के साथ-साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं और इसे प्रभावी ढंग से रोका जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को अधिक सुरक्षा प्रदान करने की जरूरत पर बल दिया। सिद्दरामैया ने कहा, पुलिस राज्य और सरकार की गरिमा को बढ़ाने के लिए काम करती है। वहीं, विकास और कानून व्यवस्था के बीच सीधा संबंध है।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था दुरुस्त होने पर अधिक निवेश होगा जिससे रोजगार सृजन बढ़ेगा और विकास में तेजी आएगी। इसके परिणामस्वरूप देश के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ेगी।

सिद्दरामैया ने बताया कि पुलिस बल में अतिरिक्त पद सृजित किए गए हैं और नए वाहनों की खरीद के लिए भी 100 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्यूटी निभाते समय दिवंगत होने वाले पुलिसकर्मियों के लिए समूह बीमा की राशि को 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस कर्मियों के लिए 2,125 घरों के निर्माण के लिए 450 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

शिवकुमार बोले, 'मैंने कभी नहीं कहा कि मैं अकेले दम पर पार्टी को सत्ता में लाया...'

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कभी भी यह दावा नहीं किया कि वह कर्नाटक में कांग्रेस को अकेले दम पर सत्ता में लाए। पीडब्लूडी मंत्री सतीश जारकीहोली के उस बयान पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कि शिवकुमार अकेले पार्टी को सत्ता में नहीं लाए, डिप्टी सीएम ने कहा कि उन्होंने कभी भी अकेले पार्टी को सत्ता में लाने का दावा नहीं किया। भविष्य में भी ऐसा कभी नहीं कहूंगा। उन्होंने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाया है।

उन्होंने आगे दोहराया कि पार्टी कार्यकर्ताओं, हम, आप (सतीश जारकीहोली), राज्य के लोग, प्रत्येक ग्रामीण ने हमारी जीत सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की। मैं यह नहीं कहूंगा कि शिवकुमार अकेले पार्टी को सत्ता में लाए हैं।

जब मुख्य सचेतक अशोक पट्टन से कैबिनेट फेरबदल के बयान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि आंतरिक मामलों पर चर्चा होगी और वह इसका खुलासा नहीं कर सकते। मैं उन पर चर्चा नहीं करूंगा। मेरी जानकारी के अनुसार, ऐसी कोई चर्चा नहीं है।

कुमारस्वामी ने पूछा

क्या कांग्रेस की टीम पाकिस्तान का हौसला बढ़ाने के लिए बेंगलूरु क्रिकेट स्टेडियम गई थी?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच मैच देखने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उनके उपमुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार और कैबिनेट मंत्रियों की आलोचना की।

कुमारस्वामी ने सवाल किया, ''क्या कांग्रेस कैबिनेट की टीम वहां पाकिस्तान की जय-जयकार करने गई थी?'' शनिवार सुबह जद (एस) कार्यालय में विजयादशमी उत्सव समारोह के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य कई समस्याओं का सामना कर रहा है। किसान बिजली के बिना व्याकुल हैं। संकट को देखने के बजाय, कांग्रेस सरकार की पूरी कैबिनेट ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मैच देखने चली गई थी।

मैं यह नहीं कह रहा कि विश्व कप मैच देखना गलत है। अगर यह भारत द्वारा खेला गया मैच होता तो इसका कुछ मतलब होता। यह ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच मैच था और क्या उन्हें राज्य की समस्याओं को देखने के बजाय समय बर्बाद करने के लिए उस मैच को देखने के लिए वहां जाना था? और वो हमें देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और अन्य लोग शुक्रवार को बेंगलूरु में ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच देखने गए थे। कुमारस्वामी ने सवाल किया, अगर राज्य सरकार केंद्र सरकार को पत्र लिखकर अपना पल्ला झाड़ लेती है तो क्या उन्हें नियुक्ति मिलेगी? क्या आपको जाकर नियुक्ति पाने के लिए दबाव नहीं डालना पड़ेगा? कुमारस्वामी ने राज्य में सूखे की स्थिति पर भी हमला बोला। लेकिन, कांग्रेस सरकार अपनी क्षमता के अनुरूप बिजली उत्पादन करने में विफल रही है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि सरकारी बयान के अनुसार, घाटा तीन करोड़ यूनिट का है। फेक बिजली संकट सरकार द्वारा पैदा किया गया है।

उन्होंने बिजली उत्पादन की ओर ध्यान नहीं दिया। किसानों को दो भी घंटे बिजली सप्लाई नहीं दी जा रही है। हमारे तापीय संयंत्रों के लिए प्रतिदिन कोयले की आवश्यक मात्रा 62,000 टन है। अगर एक साल का स्टॉक खरीद लिया जाए तो बिजली खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कांग्रेस सरकार इस ओर देख ही नहीं रही है।

फर्जी मतदाता पहचान पत्र, आधार और पैन कार्ड बनाने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) ने शनिवार को कहा कि उसने फर्जी मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड एवं अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बनाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, और इनमें से एक का संबंध मंत्री सुरेश बी.एस. से हो सकता है। सीसीबी के अनुसार, गिरफ्तार किये गए तीनों व्यक्ति अपनी दुकान में कंप्यूटर के जरिये फर्जी दस्तावेज बनाते थे।

सीसीबी ने कहा कि इन दस्तावेजों को असली बताकर ऊंचे मूल्य पर बेचने के आरोप में 19 अक्टूबर को मुनेश कुमार, भगत और राघवेंद्र नामक व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया तथा बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें आई हैं, जिनमें सरगना मुनेश कुमार शहरी विकास एवं नगर नियोजन मंत्री सुरेश बी.एस. के साथ दिख रहा है। तस्वीरों में मंत्री सुरेश आरोपी मुनेश को मिठाई खिलाते देखे जा सकते हैं।

सुरेश ने गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हर दिन सुबह से 400 से 500 से अधिक लोग उनसे मिलने आते हैं और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर मेरा उनसे कोई लेन-देन या कुछ और होता तो मैं उसे स्वीकार कर लेता। सुरेश ने कहा, अगर कोई मेरे साथ तस्वीर खिंचवाता है और कुछ गलत करता है, तो क्या मुझे इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? यह सच्चाई से बहुत दूर है। उन्हें जब बताया गया कि सीसीबी पुलिस ने उनके साथ मुनेश की तस्वीर जारी की है, तो सुरेश ने कहा, मुझे इस बारे में नहीं पता। मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। राज्य पुलिस हमारी (हमारी सरकार के अधीन) है, सीसीबी और केंद्रीय पुलिस हमारी है। जिन्होंने गलत किया उन्हें फांसी पर लटका दें।

उनसे जब पूछा गया कि क्या गिरफ्तार किए गए लोग उनके परिचित हैं, तो उन्होंने कहा कि सभी लोग उन्हें जानते हैं।

मंत्री ने कहा, '(कर्नाटक के) पूरे सात करोड़ लोग मुझे जानते हैं। ऐसे कई लोग होंगे जिन्हें मैं जानता हूं लेकिन अगर कोई कुछ गलत करता है तो क्या इसके लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए? जांच होने दीजिए। जिसने भी गलत किया है उसे दंडित किया जाएगा।'

अभ्यास

मैसूरु पैलेस में शनिवार को रिहर्सल के लिए तैयार हो रहे हैं हाथी ।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बारे में 'अपमानजनक' पोस्ट को लेकर मामला दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के सोशल मीडिया हैंडल से किए गए अपमानजनक पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने भाजपा की कर्नाटक इकाई के सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, प्राप्त शिकायत के आधार पर, हमने हाई ग्राउंड्स पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 505 (उकसाने वाले बयान) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है और मामले की जांच जारी है।

पुलिस ने कहा कि मामले के संबंध में तुमकुरु जिले के निवासी श्रीनिवासमूर्ति नामक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उसका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने हालांकि उस व्यक्ति के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी क्योंकि इससे जांच में बाधा पैदा हो सकती है।

गांव से बहिष्कार के बाद व्यक्ति ने की आत्महत्या, 17 पर मामला दर्ज

चामराजनगर/दक्षिण भारत। एक व्यक्ति ने अपने गांव से बहिष्कार किए जाने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह मामला कर्नाटक के चामराजनगर जिले से सामने आया है। पुलिस ने 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मृतक की पहचान शिवराजू (45) के रूप में हुई है। घटना शुक्रवार को गुंडलुपेट शहर के यादवनहल्ली में हुई।

पीड़ित के परिवार, दोस्तों और ग्रामीणों के एक समूह ने उसके बहिष्कार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए बेगुर पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के 17 लोगों पर मामला दर्ज करने और प्रदर्शनकारियों को न्याय दिलाने के आश्वासन के बाद विरोध समाप्त हुआ।

पुलिस ने बताया कि शिवन्ना नाइक नाम के शख्स ने एक ग्रामीण पर चप्पलों से हमला किया था। परिणामस्वरूप, गांव के बुजुर्गों ने नाइक का गांव से बहिष्कार कर दिया था। शिवराजू को नाइक के प्रति सहानुभूति थी और इससे नाराज बुजुर्गों ने उसका भी बहिष्कार किया। उन्होंने उस पर 6,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

पारिश्रमिक मांगने पर दलित राजमिस्त्री पर हमला, दो गिरफ्तार

कोलार/दक्षिण भारत। कोलार जिले के बंगारपेट शहर के पास एक गांव में अपने काम के लिए पारिश्रमिक मांगने पर एक दलित राजमिस्त्री पर हमला किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पीड़ित की पहचान डोड्डावलगरामाडी गांव निवासी अमरेश के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और एक अन्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित उसी गांव में जगदीश सिंह के बन रहे मकान में काम कर रहा थी। जब उसने अपने काम के लिए पैसे मांगे, तो सिंह ने अमरेश के साथ मारपीट की और उसे जातिसूचक गालियां दीं। बाद में आरोपी ने रवींद्र सिंह और सतीश सिंह के साथ मिलकर पीड़ित को एक घर में खींच लिया और रस्सी से बांधकर उसकी पिटाई की.

घटना के बाद, अमरेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया और इस संबंध में बंगारपेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया। जगदीश सिंह और रवींद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि सतीश सिंह की तलाश की जा रही है.

माकपा को भाजपा-जद(एस) गठबंधन को लेकर कोई भ्रम है : देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल-एस (जद-एस) के प्रमुख एच.डी. देवेगौड़ा ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन को लेकर केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को कोई भ्रम है और उन्होंने पड़ोसी राज्य में सत्तारूढ़ वाम दल द्वारा इस गठबंधन का समर्थन किए जाने की बात कभी नहीं कही। देवेगौड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, माकपा पर मेरे बयान को लेकर कोई भ्रम है। लगता है कि मेरे कम्युनिस्ट मित्रों ने न तो मेरी कही बात को समझा और न ही इस बात के संदर्भ को समझा।

उन्होंने कहा, मैंने केवल इतना कहा कि केरल में मेरी पार्टी की इकाई एलडीएफ सरकार के साथ मिलकर काम रही है, क्योंकि भाजपा के साथ हमारे गठबंधन के बाद मेरी पार्टी की कर्नाटक के बाहर इकाइयों के भीतर चीजें अनसुलझी हैं।

काश, माकपा नेताओं ने अपने शब्दों को बेहतर तरीके से चुना होता या स्पष्टीकरण मांगा होता। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने भाजपा के साथ गठबंधन का विरोध कर बगावत का बिगुल बजाने वाले पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष एवं अपने करीबी सहयोगी सी. एम. इब्राहिम को बृहस्पतिवार को पद से हटा दिया।

इब्राहिम ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ पार्टी के गठबंधन का विरोध किया था और बगावती तेवर दिखाए थे।

देवेगौड़ा ने राज्य कार्य समिति को भंग कर दिया और अपने बेटे एवं पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी को इसका तदर्थ अध्यक्ष नियुक्त किया। उन्होंने कहा था, केरल की वाम सरकार के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पार्टी को बचाने के लिए कर्नाटक में भाजपा के साथ आगे बढ़ने की पूरी सहमति दे दी है। यही स्थिति है।

विजयन ने शुक्रवार को देवेगौड़ा के इस दावे को निराधार और झूठा बताकर खारिज कर दिया कि उन्होंने कर्नाटक में भाजपा के साथ जद (एस) के गठबंधन को मंजूरी दी है। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने पूर्व प्रधानमंत्री से अपना बयान सुधारने को भी कहा। विजयन ने कड़े शब्दों में कहा कि जद (एस) की प्रदेश इकाई ने साफ किया था कि वे भाजपा के साथ गठबंधन के पूरी तरह खिलाफ हैं और वे केरल में वाम मोर्चा के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे।

श्री वैशाली जन् कल्याण समिति (रजि.)
SRI VAISHALI JAN KALYAN SAMITI (REG.)
Sri Salasar Balaji Mandir, SMN Raj Lake View,
Phase II Main Gate, Ranka Colony Road,
Bilekahall, Bangalore -78
नवरात्रि दशहरा महोत्सव 2023
15-10-2023 To 24-10-2023 प्रतिदिन पूजा, आरती एवं प्रसाद प्रातः 11 बजे एवं शाम 6 बजे से 10 बजे तक भक्ति संगीत
21-10-2023 शनिवार मुख मंडल दर्शन, महा सप्तमी पूजा, मंगला आरती, पुष्पांजलि, प्रसाद, महा निशा पूजा
22-10-2023 रविवार महाअष्टमी पूजा, कुमकुम अभिषेक, छप्पन भोग प्रसाद, मंगला आरती और जागरण
23-10-2023 सोमवार महानवमी पूजा, होम, कन्या पूजा, मंगला आरती, पुष्पांजलि, महाप्रसाद
24-10-2023 मंगलवार विजयादशमी, विशेष पूजा, मंगला आरती, पुष्पांजलि, महाप्रसाद
25-10-2023 बुधवार दोपहर 12-30 बजे से विसर्जन भव्य शोभा यात्रा
उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में आप सपरिवार मित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।
पूजा अध्यक्ष : राज कुमार शर्मा
Cell: 9008011119, 9845544317, 9886258645, 9845062200, 9845317854, 9591272272, 9611192610

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या EPS/45/2023)
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्दे न के लिए "website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

Sr No.	Tender No.	Short Description	Tendered Qty.
1	38232115	Bogie End Pull Rod for CASNUB	1317 Nos.
2	38233373	Automatic Twist Lock	217 Nos.
3	38232227	MAIN PULL ROD ASSEMBLY	1337 Nos.
4	38234121	Round plate bonded with stopper spring	8612 Nos.
5	38232603	LADDER PRE FABRICATED	950 Nos.
6	81235904A	PLUG PART NO. EL-T272SB	27 Nos.
7	81235902A	AIR COMPRESSOR	01 Nos.
8	38231623A	STOP VALVE HAND WHEEL	1496 Nos.
9	40232786B	High voltage fuse rating	1005 Nos.
10	10234529A	ELEMENT ENGINE AIR FILTER-FIBER GLASS	446 Nos.
11	81235757A	INDUSTRIAL WEIGHING MACHINE CAPACITY	03 Nos.
12	30231734	Waste Bin complete	1463 Nos.
13	30231659	Stainless steel dust bin fixing arrangement	472 Nos.
14	30231402A	Set of Hose Connection	1223 Set.
15	81235010	PSC SLEEPER FOR LEVEL XING 60 KG	258 Nos.
16	81235267	Manufacture and supply of Prestressed Mono block concrete sleeper	03 Set.
17	38232201	Bogie Centre Pivot Top	4817 Nos.
18	81236166	INJECTOR RECON	06 Nos.
19	50233119	Nylon Insulation for Gauge Tie Plate	3156 Nos.
20	38232268	Bracket for locking bolt for flap door	91525Nos.
21	61231650	Manual metal arc welding electrode	79927 MTR
22	50233121A	William stretcher Bar Insulation complet	3370 Nos.
23	30231231A	PROCUREMENT OF RUBBER STOPPER	12774 Nos.
24	20234030	H.V. CABLES WITH PLUG CONNECTOR	07 Nos.
25	10231046A	FUEL INJECTION PUMP	08 Nos.
26	20234115	CYLINDRICAL ROLLER AXLE BOX BEARING	134 Nos.
27	20234097	PINION SHAFT 21 TEETH	113 Nos.
28	62231094A	BED SHEET MILL MADE	135922Nos.
29	81235880	POLY ACTAL SHEET	11 Nos.
30	50235014	PVC Insulated Amroured unscreened underground railway signalling cable	400.55 KMs

उपरोक्त सभी निविदाओं में टेंडर नं. 1 से 30 तक की नियत तिथिः 20.11.2023
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

गगनयान मिशन : छोटी अवधि का मिशन 531 सेकंड तक चला

पहला मानवरहित उड़ान परीक्षण सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हल्की विसंगति के बाद शनिवार को श्रीहरिकोटा से गगनयान मिशन के लिए छोटी अवधि का मिशन सफलतापुर्वक पूरा किया जिसके प्रक्षेपण की अवधि 531 सेकंड थी। विसंगति की पहचान करने के बाद इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि टीवी-डी 1 रॉकेट ने श्रीहरिकोटा के लॉन्च पैड से सुबह 10 बजे उड़ान भरी और पूरा मिशन लगभग नौ मिनट में पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि यह गगनयान मिशन के लिए एक बड़ा प्रशिक्षण था। परीक्षण रॉकेट के उड़ान भरने से लेकर पैराशूट की तैनाती के साथ समुद्र में क्रू मॉड्यूल के उतरने तक, पूरी उड़ान प्रक्रिया में लगभग नौ मिनट लगे। इस उड़ान परीक्षण ने पूरे गगनयान कार्यक्रम में एक प्रमुख मील का पत्थर चिह्नित किया जो कि अंतरिक्ष में भारत का पहला मानव युक्त मिशन होगा और इसका उद्देश्य नए विकसित परीक्षण वाहन के साथ मैक नंबर 1.2 पर क्रू मॉड्यूल पृथक्करण और पुनर्प्राप्ति के बाद क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) के इन-फ्लाइट एबॉर्ट डेमस्ट्रेटन को परिभाषित करना है। इसरो ने कहा कि मिशन का उद्देश्य उड़ान प्रदर्शन एवं परीक्षण वाहन उप प्रणालियों का मूल्यांकन, क्रू एस्केप सिस्टम और क्रू मॉड्यूल विशेषताएं और उच्च ऊंचाई पर अवत्वरण प्रणाली का प्रदर्शन और इसकी पुनर्प्राप्ति है। लगभग 44 टन वजनी और 35 मीटर लंबे लिक्विड प्रोपेल्ड सिंगल स्टेज टेस्ट व्हीकल में 4,520 किलोग्राम के क्रू मॉड्यूल (सीएम) के साथ एक संशोधित विकास इंजन का उपयोग किया गया। इसरो ने कहा कि योजना के अनुसार, श्रीहरिकोटा से लगभग 10 किलोमीटर दूर समुद्र में उड़ान भरने से लेकर चालक दल के मॉड्यूल के उतरने तक पैराशूट की तैनाती के साथ पूरे उड़ान क्रम में 531 सेकंड का समय लगा। उड़ान भरने के लगभग 60 सेकंड बाद, परीक्षण वाहन- क्रू एस्केप सिस्टम 11.7 किमी की ऊंचाई पर अलग हो गया और 30 सेकंड बाद, सीएम-सीईएस भी 16.7 किमी की ऊंचाई पर अलग हो गया। इसके बाद, सीईएस को अलग करने और पैराशूट की श्रृंखला की तैनाती के साथ स्वायत्त रूप से समापन अनुक्रम निष्पादित किया गया, अंत में 8.5 मीटर/ सेकंड के वेग से श्रीहरिकोटा के तट से लगभग 10 किमी दूर समुद्र में सीएम के सुरक्षित लैंडिंग के साथ इसका समापन हुआ। इसरो ने कहा कि टीवी-डी 1 परीक्षण उड़ान ने सीईएस के प्रदर्शन को दर्शाया है और यह समग्र गगनयान कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि उड़ान परीक्षण के लिए लगभग पूर्ण प्रणाली एकीकृत की गई थी।

इसरो के अध्यक्ष ने कहा कि पहले मानवरहित परीक्षण मिशन टीवी-डी 1 के बाद तीन और परीक्षण उड़ानें टीवी-डी 2, टीवी-डी 3 और टीवी-डी 4 होंगी। परीक्षण का उद्देश्य 'क्रू मॉड्यूल' या वाहन के उस हिस्से का परीक्षण करना था जहां भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को रखा जाएगा। परीक्षण में मॉड्यूल को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करना, इसे पृथ्वी पर वापस लाना और बंगाल की खाड़ी में उतरने के बाद इसे पुनर्प्राप्त करना शामिल था। टीवी-डी 1 ने मानवयुक्त मिशनों में इन-फ्लाइट सिस्टम का प्रदर्शन किया। इसरो ने कहा कि हमने परीक्षण किया है और यह सुनिश्चित किया है कि एस्केप सिस्टम बहुत ज्यादा विश्वसनीय है, एस्केप सिस्टम ट्रांसोनिक स्थितियों में सक्रिय होगा, जो मैक 1.2 है और यह दर्शाता है कि चालक दल को कैसे बचाया जाएगा। अगर अंतरिक्ष में जाते समय अंतरिक्ष यान को किसी समस्या का सामना करना पड़ता है, तो इस एस्केप सिस्टम से चालक दल को अलग करने और सुरक्षित समुद्र में वापस लाने की उम्मीद है, जहां से उन्हें नौसेना कर्मियों द्वारा सुरक्षित किया जाएगा। गगनयान मिशन के अगले वर्ष की दूसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है जिसकी पुष्टि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिन पहले नयी दिल्ली में अंतरिक्ष विभाग के अधिकारियों के साथ मिशन की प्रगति की समीक्षा के बाद की थी। परीक्षण वाहन एक एकल-चरण तरल रॉकेट है जिसे एबॉर्ट मिशन के लिए विकसित किया गया है। पेलोड में क्रू मॉड्यूल (सीएम) और क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) के साथ, तीव्र कार्यवाही वाले ठोस मोटर, सीएम फेयरिंग (सीएमएफ) और इंटरफ़ेस एडाप्टर लगे हुए हैं। इसरो ने कहा कि इस उड़ान ने गगनयान मिशन में 1.2 की मैक संख्या के अनुरूप आरोहण प्रक्षेपवक्र के दौरान एबॉर्ट स्थिति का अनुकरण किया। टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) के लिए सीएम बिना दबाव वाला संस्करण है और इस संस्करण में वास्तविक गगनयान सीएम का समग्र आकार और द्रव्यमान है और इसमें अवत्वरण और पुनर्प्राप्ति की सभी प्रणालियां मौजूद हैं।

भाजपा ने राजस्थान चुनाव के लिए 83 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, राजे का नाम शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 83 और उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को उनकी पारंपरिक झालरापाटन सीट से मैदान में उतारा गया है। पार्टी की इस दूसरी सूची में 50 मौजूदा विधायकों को टिकट दिया गया है जबकि नौ मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गये हैं। दूसरी सूची में पार्टी ने किसी सांसद को विधानसभा चुनाव में नहीं उतारा है। दूसरी सूची के कुल 83 उम्मीदवारों में से 10 महिलाएं हैं। राजस्थान में विधानसभा की कुल 200 सीटें हैं और भाजपा ने अब तक कुल 124 सीटों के लिए उम्मीदवार उतार दिए हैं। पार्टी ने पहली सूची में 41 नामों की घोषणा की थी। राज्य की सभी सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी। राजे के जिन समर्थकों को इस सूची में जगह मिली है उनमें दो पूर्व मंत्री शामिल हैं। पार्टी ने पांच बार के विधायक और दिग्गज नेता भैरों सिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी को चित्तौड़गढ़ सीट पर उतारने का फैसला किया। उसने अपनी पहली सूची में राजवी को उनकी मौजूदा सीट विद्याधर नगर सीट से टिकट नहीं दिया था। इस पर पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। राजवी द्वारा नाराजगी जताए जाने एवं अपनी पारिवारिक विरासत के हवाले से पार्टी पर निशाना साधे जाने के बाद भाजपा द्वारा उन्हें टिकट दिए जाने को 'नुकसान भरपाई' की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

घोषित किये गये पार्टी के उम्मीदवारों में हाल ही में भाजपा में शामिल हुए महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ भी शामिल हैं। उन्हें नाथद्वारा से टिकट दिया गया है जहां से कांग्रेस नेता सी पी जोशी इस समय विधायक हैं। भाजपा ने विश्वराज सिंह मेवाड़ को एक बार फिर यहीं से मैदान में उतारने का फैसला किया है। भाजपा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को उनकी मौजूदा सीट आमेर से ही उतारा है जबकि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ की सीट बदल दी गई है। राठौड़ को चूरू के बजाय तारानगर से उतारा गया है। सात बार के विधायक राठौड़ ने 2008 से 2013 तक के एक कार्यकाल के लिए तारानगर सीट का प्रतिनिधित्व किया है। पिछले महीने भाजपा में शामिल हुईं नागौर की पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा को नागौर सीट से मैदान में उतारा गया है।

विधानसभा सीट	उम्मीदवार
रायसिंहनगर (अजा)	बलवीर सिंह लूथरा
अनूपगढ़ (अजा)	संतोष बावरी
सांगरिया	गुरदीप सिंह शहपीणी
पीलीबंगा (अजा)	धर्मेन्द्र मोची
नोहर	अभिषेक मटोरिया
बीकानेर पश्चिम	जेठानन्द व्यास
बीकानेर पूर्व	सिद्धी कुमारी
लूणकरणसर	सुमित गोदारा
नोखा	बिहारीलाल विश्नोई
तारानगर	राजेंद्र राठौड़
चूरू	हरलाल सहारण
रतनगढ़	अभिनेश महर्षि
सुरजगढ़	सन्तोष अहलावत
धोद (अजा)	गोवर्धन वर्मा
नीम का थाना	प्रेमसिंह बाजौर
श्रीमाधोपुर	झाबर सिंह खर्रा
चौमूं	रामलाल शर्मा
फुलेरा	निर्मल कुमावत
आमेर	सतीश पूनिया
मालवीय नगर	कालीचरण सराफ
सांगानेर	भजन लाल शर्मा
बगरू (अजा)	कैलाश चन्द वर्मा
चाकसू (अजा)	रामवतार बैरवा
मुण्डावर	मंजीत धर्मपाल चौधरी
थानागाजी	हेम सिंह भड़ाना
अलवर शहर	संजय शर्मा
डीग–कुम्हेर	डॉ. शैलेश सिंह
धौलपुर	डॉ. शिवचरण कुशवाहा
खंडार (अजा)	जितेन्द्र गोठवाल
मालपुरा	कन्हैयालाल चौधरी
पुष्कर	सुरेश सिंह रावत
अजमेर उत्तर	वासुदेव देवनानी
अजमेर दक्षिण (अजा)	अनिता भदेल
नसीराबाद	रामस्वरूप लांबा
ब्यावर	शंकर सिंह रावत
जायल (अजा)	डॉ. मन्जू बाघमार
नागौर	डॉ. ज्योति मिर्धा
मेडता (अजा)	लक्ष्मणराम मेघवाल
मकराना	सुमिता भींचर
परबतसर	मानसिंह किनसरिया
नावां	विजय सिंह चौधरी
जैतारण	अविनाश गहलोत
सोजत (अजा)	शोभा चौहान
पाली	ज्ञानचंद पारख
बाली	पुष्पेन्द्रसिंह राणावत
सुमेरपुर	जोराराम कुमावत
सूरसागर	देवेन्द्र जोशी
पोकरण	महंत प्रतापपुरी महाराज
सिवाना	हम्मीर सिंह भायल
चौहटन (अजा)	आदुराम मेघवाल
आहोर	छगन सिंह राजपुरोहित
जालौर (अजा)	जोगेश्वर गर्ग
सिरोही	ओटाराम देवासी
पिण्डवाड़ा–आबू (अजजा)	समाराम गरासिया
रेवदर (अजा)	जगसीराम कोली
गोगुंदा (अजजा)	प्रतापलाल गमेती
झाड़ौल (अजजा)	बाबूलाल खराडी
उदयपुर ग्रामीण (अजजा)	फूल सिंह मीणा
उदयपुर	ताराचंद जैन
सलूम्बर (अजजा)	अमृतलाल मीणा
धरियावद (अजजा)	कन्हैया लाल मीणा
आसपुर (अजजा)	गोपीचंद मीणा
घाटोल (अजजा)	मानशंकर निनामा
गढ़ी (अजजा)	कैलाश चन्द्र मीणा
चित्तौड़गढ़	नरपत सिंह राजवी
निम्बाहेड़ा	चन्द कृपलानी
बाड़ी सादड़ी	गौतम सिंह डाक
प्रतापगढ़ (अजजा)	हेमंत मीणा
कुम्भलगढ़	सुरेन्द्र सिंह राठौड़
राजसमंद	दीप्ती महेश्वरी
नाथद्वारा	कुंवर विश्वराज सिंह मेवाड़
आसीन्द	झब्बर सिंह सांखला
भीलवाड़ा	विट्ठलशंकर अवस्थी
जहाजपुर	गोपीचंद मीणा
माण्डलगढ़	गोपाल लाल शर्मा
बूंदी	अशोक डोगरा
सांगोद	हीरालाल नागर
कोटा दक्षिण	संदीप शर्मा
छाबड़ा	प्रताप सिंह सिंघवी
डग (अजा)	कालूलाल मेघवाल
झालरापाटन	वसुन्धरा राजे
खानपुर	नरेन्द्र नागर
मनोहर थाना	गोविन्द रानीपुरिया

कांग्रेस के 33 उम्मीदवारों की पहली सूची में गहलोत, जोशी और पायलट के नाम शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए अपने 33 उम्मीदवारों की पहली सूची शनिवार को जारी की, जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के नाम भी शामिल हैं। सूची में 2020 में सचिन पायलट के साथ गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत करने वाले तीन मौजूदा विधायकों के नाम भी हैं।

पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, गहलोत को उनकी परंपरागत सीट सरदारपुरा से ही उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह पायलट टोंक से चुनाव लड़ेंगे, जहां से वह वर्तमान विधायक हैं। कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी को नाथद्वारा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को लक्ष्मणगढ़ से टिकट दिया गया है। ये दोनों फिलहाल इन्हीं सीट से विधायक हैं। कांग्रेस की पहली सूची में मुख्यमंत्री गहलोत सहित छह मंत्रियों के नाम भी शामिल हैं। भंवर सिंह भाटी को कोलायत, महेंद्रजीत मालवीय को बागीडोरा, टीकाराम जूली को अलवर ग्रामीण, अशोक चांदना को हिंडोली व ममता भूपेश को सिकराय से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने बायतू से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी, सवाई माधोपुर से दानिश अबरार, ओसियां से दिव्या मदेरणा, सादुलपुर से कृष्णा पूनिया को उम्मीदवार बनाया है।

कांग्रेस ने इस सूची में 28 मौजूदा विधायकों और 2018 का चुनाव निर्दलीय के रूप में जीती एक उम्मीदवार को पार्टी का टिकट दिया है। जयपुर शहर में 2018 में चुनाव हारने वाली अर्चना शर्मा को मालवीय नगर और पुष्पेंद्र भारद्वाज को सांगानेर से फिर उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, पिछले विधानसभा चुनाव में मुंडावर से बसपा के टिकट पर चुनाव हारे ललित कुमार यादव और मांडलगढ़ से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव में पराजय का सामना करने वाले विवेक धाकड़ को मौका दिया गया है। रमीला खड़िया ने 2018 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। उन्हें पार्टी ने कुशलगढ़ सीट से मैदान में उतारा है।

सूची में जिन मौजूदा विधायकों को पायलट का करीबी माना जाता है, उनमें परबतसर से उम्मीदवार बनाए गए रामनिवास गावड़िया, विराटनगर से इंद्राज गुर्जर व लाडनूं से उम्मीदवार बनाए गए मुकेश भाकर का नाम शामिल है। तैंतीस उम्मीदवारों की पहली सूची में नौ महिला उम्मीदवार हैं। पार्टी ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित तीन व अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित चार सीट पर उम्मीदवारों के नाम इस सूची में घोषित किए हैं।

सूची जारी होने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा,''कांग्रेस को जनादेश, राजस्थान का यही संदेश। राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में कांग्रेस पार्टी द्वारा घोषित 33 प्रत्याशियों को प्रचंड जीत की अग्रिम शुभकामनाएं। डोटासरा के अनुसार, ''राजस्थान की जनता इस बार इतिहास लिखेगी, कांग्रेस को अभूतपूर्व जनादेश देकर रिवाज बदलेगी। कांग्रेस की सूची में किसी नाम को चौंकाने वाला नहीं माना जा रहा है। ज्यादातर मौजूदा विधायकों या मंत्रियों के नाम ही इस सूची में हैं। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन को लेकर चर्चा की थी। राज्य में विधानसभा की कुल 200 सीट हैं और उसने पहली सूची केवल 33 उम्मीदवारों की जारी की है। बाकी सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति रविवार को बैठक करेगी। विधानसभा की सभी 200 सीट के लिए मतदान 25 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

प्रियंका का दौरा राजस्थान की पीड़ित जनता के घावों पर नमक छिड़कने वाला : सीपी जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने दौसा में प्रियंका वाड्रा के दौरे पर पलटवार करते हुए कहा कि उनका भाषण अशोक गहलोत सरकार के कुशासन, अकर्मण्यता, अपराध, भ्रष्टाचार से पीड़ित प्रदेश की जनता के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने कहा प्रियंका ने अपने भाषण में केंद्र सरकार की आलोचना और गहलोत सरकार की प्रशंसा के अलावा कोई नई बात नहीं कही और गहलोत सरकार ने जिन योजनाओं के आंकड़े लिख कर दिए उन्हें पूरे जोश के साथ बोल दिया।

उन्होंने कहा कि यह पता करना चाहिए कि उन योजनाओं का लाभ कितने दिन और कितने लोगों तक पहुंचा है। जोशी ने कहा, पिछले पांच वर्षों से दुष्कर्म से पीड़ित महिलाएं और बच्चियां न्याय की पुकार कर कर रही हैं, आखिर उन्हें कब न्याय मिलेगा। उनके आंसू कब पोछे जाएंगे। पूरे पांच साल में क्यों

प्रियंका गांधी या गांधी परिवार का कोई सदस्य उनका हाल जानने क्यों नहीं आया। उन्होंने प्रियंका द्वारा देवनारायण भगवान मंदिर में चढ़ावे को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि प्रियंका ने भक्त और भगवान दोनों का ही अपमान किया है, इस प्रकार की बात करना तुष्टिकरण की राजनीति का ही एक हिस्सा है, कांग्रेस हमेशा से ही ऐसा करती आई है।

जोशी ने कहा कि प्रियंका गांधी मोदी सरकार द्वारा बड़ी-बड़ी इमारतें बनाने और विकास के कार्यों पर टिप्पणी करती हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी इमारतें बनाने से तो देश का विकास ही हुआ है, कांग्रेस विकास नहीं कर पाई इसलिए इनके पेट में दर्द हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया,कांग्रेस नेताओं की नजर तो यहां की जमीनें हड़पने में रही है, इसलिए मोदी है तो गारंटी है। केंद्र सरकार जो कहती है वह करती है। उनके शासन में योजनाएं कार्यकाल के अंतिम छह महीने में प्रारंभ नहीं होती। राजस्थान को मोदी की गारंटी और डबल इंजन सरकार की जरूरत है।

विपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ ने यह भी कहा कि प्रियंका गांधी ने राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों के बारे में बात नहीं की।

राठौड़ ने उन पर कांग्रेस की असफल योजनाओं को उजागर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने 2018 के चुनावों के दौरान वादे किए थे, जिन्हें वह सत्ता में आने के बाद पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा, प्रियंका गांधी द्वारा झूठे दावों से जनता को गुमराह करने की कोशिशों के बावजूद, राजस्थान की जनता कांग्रेस के झूठ से प्रभावित नहीं होगी।

'डबल इंजन की सरकार बनते ही अधूरे विकास कार्यों को किया जाएगा पूरा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर।। राजस्थान में पूर्व शिक्षा मंत्री एवं विधायक वासुदेव देवनानी ने दावा करते हुए कहा है इस बार प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनते ही अजमेर में अधूरे विकास कार्यों को पूरा कराने के साथ जलापूर्ति के काम को प्राथमिकता के साथ पूरा करते हुए क्षेत्र की जनता को राहत दिलाने का काम किया जायेगा।

देवनानी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दूसरी सूची में अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांचवीं बार टिकिट मिलने पर पार्टी आलाकमान का आभार जताते हुए आज यह बात कही। उन्होंने मौजूदा कांग्रेस शासन में पानी के विकास कार्यों को अवरुद्ध करने का आरोप लगाते हुए कहा कि 185 करोड़ के काम ठंडे बस्ते में डाल दिये गये। इस कारण जनता में नाराजगी भी हैं और पांचवीं बार सेवा का मौका मिलते ही वह जनता की समस्याओं को दूर करने का काम करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार बनते ही पेपरलीक से जुड़े दोषी लोगों को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम होगा ताकि भविष्य में अजमेर पर कोई काला धब्बा लगाने की हिम्मत न करे। उन्होंने अपने आला नेताओं का आभार जताते हुए कहा मुझ पर जो विश्वास जताया गया है, उस पर मैं जनता के आशीर्वाद से खरा उतरूंगा। अजमेर में उनके आवास पर समर्थकों की भीड़ ने उन्हें मालाओं से लाद दिया और पटाखे फोड़ कर खुशी का इजहार किया।

मुलाकात

जयपुर में शनिवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान वार्ड नं 21 के परिवार जनों से मुलाकत करती भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी।

एआईएमआईएम ने राजस्थान विधानसभा चुनाव में तीन सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की

जयपुर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवार उतारे हैं तथा प्रदेश इकाई के परामर्श से और नामों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में पहली बार चुनाव लड़ रही है और कोशिश होगी कि उम्मीदवार इसमें बेहतर प्रदर्शन करें। पार्टी ने जयपुर की हवामहल सीट से जमील खान, सीकर की फतेहपुर से जावेद अली खान और भरतपुर की कामां सीट से इमरान नवाब को उम्मीदवार बनाया है। राज्य में 25 नवंबर को मतदान होगा। ओवैसी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तीन उम्मीदवार उतारे हैं तथा प्रदेश इकाई के परामर्श से और नामों की घोषणा की जाएगी। पार्टी राज्य में पहली बार चुनाव लड़ रही है और यह प्रयास रहेगा कि उम्मीदवार इसमें बेहतर प्रदर्शन करें।'' एआईएमआईएम को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल नहीं किए जाने पर उन्होंने कहा कि इससे उनकी पार्टी की अहमियत कम नहीं होगी । उन्होंने कहा,''यह (इंडिया) गठबंधन धर्मनिरपेक्षता के चौधरियों का 'एलीट क्लब' है। इस क्लब में बड़े-बड़े लोग बैठते हैं। इसमें हम जैसे लोगों की जरूरत नहीं है और न ही हम इसमें शामिल होने का शौक रखते हैं । हम तो अपना काम करते रहेंगे।'

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने झोटवाड़ा को बताया अपना परिवार, युवाओं के साथ खेले कई खेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की चर्चित झोटवाड़ा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सुबह छ: बजे अपनी विधानसभा स्थित पार्क और स्टेडियम पहुंचे। यहां इन्होंने युवाओं और आमजन के साथ वर्जिश की। बता दें कि पार्टी की तरफ से उम्मीदवारी की घोषणा के बाद से ही कर्नल राठौड़ लगातार अपने क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। इसी कड़ी में ही वो शनिवार सुबह करीब छ: बजे वैशाली नगर स्थित पार्क में पहुंचे। कर्नल राठौड़ खेल के परिधान पहने जब पार्क में पहुंचे तो वहां उपस्थित लोग उनको देखकर दंग रह गए। कर्नल राठौड़ ने पार्क में पहुंचकर आमजन के साथ मुलाकात की। इसके बाद वहां लगी हुई ओपन जिम पर भी कसरत की, साथ ही पार्क में मौजूद कुछ बुजुर्ग लोगों ने बताया कि यह जिम भी उन्हीं के सांसद कोष से लगवाई गई है। कर्नल राठौड़ ने पार्क में ही चल रही शाखा में पहुंचकर लाठी चलाने की कला भी सीखी। जिसके बाद कर्नल राठौड़ ने उपस्थित लोगों को बताया कि लाठी तो कभी नहीं चलाई, पर जब बंदूक चलाता था तो कोई भी दुश्मन छुप नहीं पाता था।

बता दें कि युवा अपने बीच कर्नल राठौड़ को देख कर खासे उत्साहित नजर आए। स्टेडियम पहुंचकर कर्नल राठौड़ ने युवाओं के साथ बास्केटबॉल, बैडमिंटन और टेनिस भी खेला। कर्नल राठौड़ ने वहां उपस्थित युवाओं के साथ कसरत भी की और पुशअप भी लगाए। एक ओलंपियन विजेता होने के नाते कर्नल राठौड़ का खेलों के प्रति विशेष लगाव और उत्साह है। कसरत करते हुए कर्नल राठौड़ ने पर्यावरण और हरियाली पर भी जोर दिया और कहा कि झोटवाड़ा क्षेत्र में पार्क बहुत हैं। इन पार्कों को एक नया जीवन देने का प्रयास होना चाहिए।

चुनाव जीतने के लिए जूते पॉलिश करने के साथ ही शौचालय भी चमका रहे नेता

दौसा (ब्यूरो)। वाकई में जनता जनार्दन सर्वोपरि होती है। जनता जिसे चाहती है, उसे सर आंखों पर बिठा कर रखती है। इस बात को सबसे ज्यादा नेता भली भांति पहचानते हैं। नेता इस कला में पूर्ण पारंगत होते हैं। किस प्रकार से जनता जनार्दन को साधा जाए। नेता उस उचित समय को भी भली भांति पहचानता है। वो कौनसा समय है जब जनता के मक्खन लगाना है? इन दिनों प्रदेश में चुनावी मौसम चल रहा है कुछ नेता कुर्सी बचाने के चक्कर में तो कुछ नेता कुर्सी पाने की जुगत में लगे हुए हैं। इन दिनों एक से एक अजीब कारनामों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, तो कुछ के द्वारा जानबूझ कर भी वायरल करवाए जा रहे हैं। ऐसा ही एक अजब गजब दौसा के महुवा विधानसभा का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। जिसमें विधायक टेंट लगाकर जनता के जूते चमकाते दिखे तो कभी सार्वजिक शौचालय चमकाते दिखे।

मगर सोचने वाली बात यह है आज नेता जी को ये सब करने की जरूरत क्यों आ पड़ी? क्या ये सब जनता के मक्खन लगाने की सोची समझी चाल तो नहीं थी। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि हाल ही में कोंग्रेस की हुई एक जनसभा में कोंग्रेस के प्रत्याशियों की सूची के आए बगैर प्रदेश के मुखिया ने नेता जी को जिताने की सार्वजनिक मंच से अपील कर दी। जिससे साफ तौर पर जाहिर होता है। नेता जी पर निर्दलीय होने के बावजूद प्रदेश के मुखिया का पूरा आशिर्वाद था। तभी तो मुखिया ने नेता जी को जिताने की अपील की। अब गौर करने वाली बात यह है जब नेता जी पर मुखिया का हाथ था और नेता जी ने अपनी विधानसभा को जिला बनवाने के लिए भरकस ताकत झोंक दी थी तो भी जिला बनवा पाने में कामयाब नहीं हो पाए।

बिना तैयारी शुरू किए गए अंग्रेजी स्कूल, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पूर्व शिक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं विधायक वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस सरकार पर बिना तैयारी एवं व्यवस्थाओं के सरकारी अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोल देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है। देवनानी ने अपने बयान में आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दिखाई गई जल्दबाजी अब बच्चों के भविष्य पर असर डाल रही है। बिना तैयारी और व्यवस्थाओं के शुरु किए गए इन स्कूलों में बच्चों को ना पढाई का माहौल मिल पा रहा है और ना ही उनका विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलाते ने चुनावी साल में सियासी लाभ लेने के लिए 200 से अधिक अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोल दिए लेकिन इनमें सुविधाओं को कोई विस्तार नहीं किया। उन्होंने कहा कि हालात यह है कि इन अंग्रेजी स्कूलों में बच्चों के पढाने के लिए कोई अंग्रेजी का शिक्षक ही नहीं है। हालात बिगडते देख पिछले दिनों की शिक्षा विभाग ने एक परिपत्र जारी कर अंग्रेजी मीडियम की सरकारी स्कूलों में केवल पांचवीं कक्षा तक ही कक्षाएं संचालित करने के लिए कहा है जबकि पूर्व में इन स्कूलों में आठवीं कक्षा तक के बच्चों को एडमिशन दे दिए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तीन साल पहले प्रत्येक जिले में एक एक सरकारी अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले थे। इसके बाद महज दो साल में स्कूलों की संख्या बढाकर 770 से अधिक कर दी गई। बिना तैयारी के खोले गए इन स्कूलों के सामने स्कूलों के भवन को लेकर समस्या रही तो हिन्दी मीडियम से अंग्रेजी मीडियम में परिवर्तन करने के बाद स्कूलों को दो पारियों में संचालित कर पढाई के नाम पर खानापूर्ति की गई।

कांग्रेस और राजद को 'भयभीत और भ्रमित' करना चाहते हैं नीतीश : सुशील मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के साथ व्यक्तिगत समीकरणों के बारे में बात करके वर्तमान सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को 'भयभीत और भ्रमित' करना चाहते हैं।

सुशील ने हालांकि यह भी कहा कि अब नीतीश कुमार की पार्टी विघटन के कगार पर खड़ी है और भाजपा को उनकी कोई आवश्यकता नहीं है। सुशील मोदी एक दशक से अधिक समय तक नीतीश कुमार सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता के साथ उत्कृष्ट तालमेल के लिए जाने जाते थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम उन ताकतों के साथ जुड़ना चाहेंगे जो हमें फायदा पहुंचा सकती हैं और जिन्हें हमसे फायदा हो सकता है। नीतीश कुमार के पास एक तरह से कोई जनाधार नहीं बचा है, यही कारण है कि उनकी पार्टी 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में 44 सीटों पर ही सिमट गई थी। उनके साथ फिर से गठबंधन करने का सवाल ही नहीं उठाता। यह हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी बार-बार दोहराया है।

वह उन अटकलों के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे कि नीतीश ने बृहस्पतिवार को एक समारोह में केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री के रूप में सेवा दे चुके वरिष्ठ भाजपा नेता राधा मोहन सिंह के साथ व्यक्तिगत दोस्ती की बात करते हुए भाजपा को संकेत देने की कोशिश की थी।

नीतीश कुमार ने पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में यह टिप्पणी की थी। कुछ घंटों बाद, एम्स, पटना के दीक्षांत समारोह में उन्होंने मीडिया के एक वर्ग द्वारा उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश करने पर नाराजगी व्यक्त की थी।

सुशील के मुताबिक जदयू नेता कांग्रेस और राजद को 'भयभीत' और 'भ्रमित' करने की कोशिश कर रहे थे। सुशील मोदी, नीतीश कुमार को 1970 के दशक से जानते हैं, तब दोनों छात्र नेता थे और उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा शुरू किए गए बिहार आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार सोच रहे होंगे कि ऐसा करके वह यह संदेश दे पाएंगे कि उनके पास और भी विकल्प है जो उनके वर्तमान सहयोगियों को नियंत्रण में रखेगा। जो भी हो, उन्होंने भाजपा से नाता तोड़ लिया है, जब से वह हमसे अलग हुए हैं उनकी पार्टी भी कमजोर हो गई है। उन्होंने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा, आरसीपी सिंह (जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष) और जीतन राम मांझी ने जदयू का साथ छोड़ दिया।

पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान कर्तव्य पथ पर निष्ठा से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर्तव्य के निर्वहन के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को शनिवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इन जांबाज पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान अन्य लोगों को भी कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा, मनोयोग एवं दायित्व बोध के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा।

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में रिजर्व पुलिस लाइन पर 'पुलिस स्मृति दिवस परेड' को संबोधित करते हुए कहा, 2022-23 में कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों में प्रदेश पुलिस दल के तीन बहादुर पुलिसकर्मी शामिल हैं। मैं इस अवसर पर सभी शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। हमारे जांबाज पुलिसकर्मियों का यह सर्वोच्च बलिदान हमें कर्तव्य पथ पर पूर्ण निष्ठा, मनोयोग एवं दायित्व बोध के साथ निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं शहीद पुलिस कर्मियों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करना चाहूंगा कि हमारी सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी जरूरी कदम उठाने के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

कर्तव्य पालन के दौरान अपना जीवन बलिदान करने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए 'पुलिस स्मृति दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 1959 में आज के ही दिन 10 बहादुर पुलिसकर्मियों ने लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में भारी हथियारों से लैस चीनी सुरक्षाबलों का मुकाबला करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे।

योगी ने पुलिसकर्मियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्य को सर्वोपरि मानकर प्रदेश में अपराधों पर लगाम लगाने, कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने, प्रदेश में सामाजिक सौहार्द स्थापित करने और विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा करने में एक सराहनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, पिछले छह वर्ष के दौरान प्रयागराज का दिव्य व भव्य कुंभ, लोकसभा चुनाव-2019, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2021, विधानसभा चुनाव-2022 तथा नगर निकाय चुनाव-2023 को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में भी पुलिस बल का उल्लेखनीय योगदान रहा है। योगी ने कोरोना काल में पुलिस की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस वैश्विक महामारी के दौरान प्रदेश की जनता की सहायता के लिए सदैव तत्पर रही और पुलिसकर्मियों ने कोरोना योद्धा के रूप में अभूतपूर्व कार्य किया।

दुर्गा पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा शनिवार को पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा उत्सव में शामिल हुए और कहा कि वह मां दुर्गा से प्रार्थना करेंगे कि राज्य में आसुरी शक्तियां नष्ट हो जाएं और राज्य में 'देवदूतों' की जीत हो। नड्डा पूर्वाह्न लगभग 11 बजे यहां पहुंचे और दुर्गा पूजा में शामिल हुए। हावड़ा में पूजा उत्सव के दौरान भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मां दुर्गा आसुरी शक्तियों को नष्ट कर दें।

असम में मेरे खिलाफ दर्ज मामला राजनीति से प्रेरित : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. ने उत्पीड़न के आरोप से जुड़े मामले में उच्चतम न्यायालय से स्थायी रूप से अग्रिम जमानत मिलने के बाद शनिवार को कहा कि उनके खिलाफ असम में दर्ज मामला राजनीति से प्रेरित है और न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है।

श्रीनिवास ने एक बयान में कहा, मेरे खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पूरी तरह से झूठी, राजनीति से प्रेरित और गलत इरादे से की गई है...पूरी उम्मीद है कि मुझे न्याय मिलेगा।

उच्चतम न्यायालय ने कथित उत्पीड़न मामले में भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी. को शुक्रवार को अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने अपने 17 मई के आदेश को यह कहते हुए स्थायी कर दिया कि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं।

शीर्ष अदालत ने 17 मई को श्रीनिवास को मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी थी।

असम प्रदेश युवा कांग्रेस की अध्यक्ष रही एक युवती ने श्रीनिवास पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

भाजपा नेताओं के साथ

नीतीश कुमार ने 'निजी संबंध' संबंधी बयान से उत्पन्न अटकलों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि उनका हालिया बयान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मतभेद को दूर करने और अपने मौजूदा सहयोगियों राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर दबाव बनाने का एक प्रयास था।

जनता दल (यूनाइटेड) नेता कुमार पूर्वी चंपारण जिले में दिए एक भाषण में भाजपा के एक नेता के साथ निजी संबंध होने संबंधी स्वीकारोक्ति से संबंधित अटकलों को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

कुमार ने कहा, जब मैंने महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में अपने भाषण के बारे में खबर पढ़ी तो मुझे दुख हुआ। मैं यह रेखांकित करना चाहता था कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार केवल गया में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाना चाहती थी, लेकिन मेरे कहने पर मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) में एक और विश्वविद्यालय स्थापित करने पर सहमत हुई। काम तब शुरू हुआ जब केंद्र में भाजपा की सरकार थी, हालांकि यह तथ्य है कि विश्वविद्यालय मेरी पहल के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आया।

जद (यू) नेता ने कहा कि मीडिया में उनके भाषण की जिस तरह से रिपोर्टिंग की गई, उसे देखकर वह व्यथित हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैंने बाद में दिन में (एम्स, पटना के दीक्षांत समारोह में) अपनी नाराजगी व्यक्त की। मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं आखिरी बार आप लोगों से बात कर रहा हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह पत्रकारों से नाराज हैं, कुमार ने जवाब दिया, ऐसा नहीं है लेकिन, जैसा कि मैंने हमेशा कहा है, मीडिया पर (केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा) कब्जा कर लिया गया है। मैं अब वैसा स्वतंत्र कवरेज नहीं देखता हूं, जो सत्ता के हितों की पूर्ति न करती हो।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने बाढ़ में फंसने वाले पर्यटक वाहनों के चालकों को चेक सौंपे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने राज्य में आई अचानक बाढ़ के दौरान उत्तरी सिक्किम में फंसे पर्यटक वाहनों के चालकों को 20 हजार रुपए से अधिक के चेक सौंपे।

चार अक्टूबर को तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण राज्य के उत्तरी हिस्से में मंगन जिले से सड़क संपर्क टूट गया था, जिसके चलते 223 से अधिक पर्यटक वाहन चालक लाचेन, लाचुंग और चुंगथांग में फंसे हुए थे।

शुक्रवार को पर्यटक वाहनों के चालकों को चेक वितरित करते हुए मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई राहत इस कठिन समय के दौरान ड्राइवरों को होने वाली कठिनाइयों को कम करने में मदद करेगी।

'कैग का गला घोंट रही है सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उसकी योजनाओं में 'घोटाले' को उजागर करने वाले नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) के तीन अधिकारियों का तबादला कर दिया और वह अब इस संस्था का गला घोंट रही है।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि स्वायत्त संस्था पर 'बुलडोजर चलाने' को विपक्ष बर्दाश्त नहीं करेगा।

कांग्रेस के आरोप पर सरकार की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, जिस कैग ने साल 2015 में 55 रिपोर्ट दी थी, 2023 में वही कैग बड़ी मुश्किल से रिपोर्ट दे पा रहा है। 'भारतमाला' परियोजना में एक रुपए का काम 14 रुपए में किया गया। एक किलोमीटर की सड़क को 4 तरीके से नापकर 4 किलोमीटर की सड़क बताया गया। आयुष्मान योजना के घोटाले सामने आए, जहां एक ही मोबाइल नंबर से लाखों लोग जुड़े थे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, कैग की रिपोर्ट पर रामलीला मैदान में भी कोई 'आंदोलन' देखने को नहीं मिला। खेड़ा ने आरोप लगाया, भगवान राम के नाम पर वोट लेने वालों ने भगवान राम के घर को भी नहीं छोड़ा। भाजपा ने 'अयोध्या विकास परियोजना' में ठेकदारों के साथ मिलकर करोड़ों रुपए का फर्जीवाड़ा किया। इसी के साथ उड़ान, रेलवे, खादी ग्राम उद्योग, ग्रामीण विकास किसी को नहीं छोड़ा। यानी...खाऊंगा और खिलाऊंगा अगर बता दोगे, तो चुप भी कराऊंगा। उन्होंने दावा किया कि कैग के जिन तीन अधिकारियों ने मोदी सरकार के घोटालों को उजागर किया, उनका तबादला कर दिया गया।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, सबसे चौंकाने वाली बात है कि कैग मुंबई कार्यालय को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें कहा गया कि सारा ऑडिट और फील्ड वर्क रोक दिया जाए। यानी मोदी सरकार इस तरह से कैग का गला घोंट रही है। उन्होंने सवाल किया, कैग को सारा फील्ड वर्क बंद करने का आदेश किसके कहने पर दिया गया? जिन कैग अधिकारियों ने घोटालों को उजागर किया उनका ट्रांसफर क्यों किया गया? किसके निर्देश पर कैग का गला घोंटा जा रहा है? खेड़ा ने कहा, स्वायत्त संस्था पर आप बुलडोजर चलाएंगे तो विपक्ष इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने अन्ना आंदोलन का हवाला देते हुए दावा किया, कैग रिपोर्ट को आधार बनाकर ही रामलीला मैदान में कुछ ठग इकट्ठा एकत्र हुए थे।

खान मंत्रालय ने विशेष अभियान में 50 हजार वर्ग फुट क्षेत्र मुक्त कराया

नई दिल्ली/भाषा। खान मंत्रालय ने एक विशेष अभियान के तहत 50,000 वर्गफुट क्षेत्रफल मुक्त कराने के साथ कबाड़ का निपटान कर 1.47 लाख करोड़ रुपए का राजस्व भी जुटाया है। मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि मंत्रालय और उसके मातहत संगठनों ने लंबित मामलों के निपटान के लिए 'विशेष अभियान 3.0' चलाया हुआ है। इस दौरान रचनात्मक एवं नवोन्मेषी तरीकों से 'प्रकृति को लौटाने' पर जोर दिया गया। बयान के अनुसार, अभियान के पहले तीन हफ्तों के भीतर मंत्रालय को पुरानी भौतिक फाइलों/अभिलेखों की समीक्षा के लिए शीर्ष 10 में जगह दी गई है। इसने नियमों, प्रक्रियाओं को आसान बनाने, सार्वजनिक शिकायतों के निपटान, अंतर-मंत्रालयी संदर्भों और राज्य सरकारों से प्राप्त संदर्भों में 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है।

शांतिनिकेतन को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिए जाने पर

अनुचित श्रेय ले रहे हैं प्रधानमंत्री, कुलपति : टीएमसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सदस्य जवाहर सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और 'विश्व भारती विश्वविद्यालय' के कुलपति बिद्युत चक्रवर्ती पर यूनेस्को द्वारा शांतिनिकेतन को विश्व धरोहर स्थल घोषित किए जाने का अनुचित श्रेय लेने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

सरकार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने अकाउंट से किए एक पोस्ट में चक्रवर्ती द्वारा कथित तौर पर लगाई गई एक पट्टिका की तस्वीर साझा की, जिसमें शांतिनिकेतन को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में घोषित किए जाने का उल्लेख किया गया है। पट्टिका में केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में नरेन्द्र मोदी और कुलपति के रूप में चक्रवर्ती का नाम शामिल है। यूनेस्को वेबसाइट के मुताबिक, प्रसिद्ध कवि और दार्शनिक रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा 1901 में पश्चिम बंगाल में स्थापित शांतिनिकेतन प्राचीन भारतीय परंपराओं एवं धार्मिक तथा सांस्कृतिक सीमाओं से परे मानवता की एकता की दृष्टि पर आधारित एक आवासीय विद्यालय और कला केंद्र है। यूनेस्को के अनुसार नोबेल पुरस्कार विजेता कवि ने 1921 में यहां एक विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन को 17 सितंबर को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था।

वार्नर ने वनडे में सफलता का श्रेय आईपीएल को दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप मैच में पाकिस्तान पर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपनी इस सफलता का श्रेय आईपीएल को दिया जिसमें उन्होंने अपनी पारी को गति देने के कौशल में महारत हासिल की।

वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ 124 गेंद पर 163 रन बनाए। उन्होंने अपने सलामी जोड़ीदार मिशेल मार्श के साथ पहले विकेट के लिए 259 रन की साझेदारी की जिससे ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 62 रन से जीता।

वार्नर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैंने अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही यह तय कर लिया था कि 50 ओवर काफी लंबा समय होता है। मैं 35 ओवर क्रीज पर टिके रहने का प्रयास करता हूं और उसके बाद अपनी पारी की गति बदलने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट विशेष कर आईपीएल से मैंने ऐसा करना सीखा है। जब मैं सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलता था तो तब मैंने काफी कुछ सीखा। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने पहले 50 रन 41 गेंद पर, अगले 50 रन 44 गेंद पर और आखिरी 63 रन केवल 39 गेंद पर बनाए।

वार्नर ने कहा, टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए आप अपनी पारी की गति आसानी से बदल सकते हैं। इसलिए पहले 10 ओवर में जब दो नई गेंद होती हैं तब आपको उन्हें सम्मान देना होगा। यहां से आप अपने लिए मंच तैयार करते हैं और अगर आप खुद को समय देते हैं तो बड़ी पारी खेल सकते हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में लगातार चौथा शतक लगाने के बारे में वार्नर ने कहा,''मेरा मानना है कि कभी आप किसी खास टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं। कई बार आप अच्छी गेंद को भी बेहतर तरीके से खेलते हैं।

गोल गप्पे खाने से करीब 50 बच्चे और महिलाएं बीमार

कोडरमा/भाषा। झारखंड के कोडरमा जिले में सड़क किनारे एक रेहड़ी से गोल गप्पे खाने के बाद संदिग्ध खाद्य विषाक्ता से लगभग 50 बच्चे और महिलाएं बीमार पड़ गईं। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोडरमा के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शुक्रवार शाम लोकाई पंचायत के गोसाईं टोला इलाके में एक रेहड़ी वाले से 'गोल गप्पे' खाने के बाद लगभग 40 बच्चे और 10 महिलाएं खाद्य विषाक्ता का शिकार हो गईं। अधिकारी ने बताया कि 'गोल गप्पे' खाने के बाद बच्चों और महिलाओं को उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं होने लगीं और उनमें जीवाणु संक्रमण का पता चला। उन्होंने बताया कि उन्हें कोडरमा के सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां वे 24 घंटे तक निगरानी में हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों की उम्र नौ से 15 साल के बीच है और उनकी हालत स्थिर है।

पंड्या के बाहर होने से टीम का संतुलन प्रभावित होगा : द्रविड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने स्वीकार किया कि रविवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप मुकाबले में उन्हें चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की कमी खलेगी और उनकी गैरमौजूदगी में टीम का संतुलन प्रभावित होगा लेकिन उन्हें उपलब्ध 14 खिलाड़ियों के साथ की सर्वश्रेष्ठ संयोजन तैयार करना होगा।

पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में अपनी गेंदबाजी पर क्षेत्ररक्षण के दौरान टखने में चोट लगा बैठे थे और वह टीम के साथ यहां नहीं आए हैं।

द्रविड़ ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा, बेशक वह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और वह एक महत्वपूर्ण ऑलराउंडर है इसलिए हमें टीम को अच्छी तरह से संतुलित करने में मदद करता है। लेकिन वह इस मुकाबले में नहीं खेल पाएगा इसलिए हमें इसे ध्यान में रखते हुए देखना होगा कि सबसे अच्छा संयोजन क्या है और हम सबसे अच्छा क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अंत में हमें उन 14 खिलाड़ियों के साथ काम करना होगा जो उपलब्ध हैं। कभी-कभी आप उम्मीद करते हैं कि इस तरह की चीजें हो सकती हैं इसीलिए आपके पास एक टीम है। हमें यह देखना होगा कि इन परिस्थितियों और इन विकेटों को देखते हुए क्या सर्वश्रेष्ठ है। लेकिन हां, शायद उस तरह का संतुलन नहीं होगा जैसा हमने पहले चार मैचों में देखा था।

पंड्या के बाहर होने पर भारत एक विशेषज्ञ बल्लेबाज और एक विशेषज्ञ गेंदबाज के साथ उतर सकता है और ऐसी स्थिति में ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर को बाहर बैठना पड़ सकता है।

टीम में शारदुल की भूमिका पर द्रविड़ ने कहा, शारदुल की भूमिका स्पष्ट है, वह हमारे लिए गेंदबाजी ऑलराउंडर है। वह जिन मैचों में खेला है उनमें हमने उसे विकेट चटकाने वाले गेंदबाज के रूप में देखा है। वह हमारे लिए बीच के ओवरों में गेंदबाजी करता है और कुछ विकेटों पर हमारे लिए चौथे तेज गेंदबाजी विकल्प की तरह दिखता है जिसकी शायद आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, बेशक पिछले कुछ मुकाबलों में उसे निचले क्रम में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। लेकिन निश्चित रूप से वह अपनी बल्लेबाजी के लिए नेट्स पर बहुत मेहनत कर रहा है और हम इस पर बहुत मेहनत कर रहे हैं। हमने देखा है कि उसमें कुछ बड़े शॉट लगाने और कुछ अच्छे शॉट खेलने की क्षमता है।

सुविचार

जिंदगी ने पूछा सपना क्या होता है, हकीकत बोली बंद आंखों में जो अपना होता है, खुली आंखों में वही सपना होता है।

ट्वीट

प्रदेश में दलितों पर हमले की कई संगीन वारदातें हो चुकी हैं। खैरथल की वारदात चिंताजनक है। कुछ दिनों पहले नागौर जिले में हुई दलित युवकों की हत्या के बाद प्रदेश सरकार ने पीड़ित परिवार को न तो न्याय दिया और ना उचित मुआवजा।

-सीपी जोशी

भारतीय जनसंघ के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति व देशसेवा की भावना को जनमानस में बसाने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. उपाध्याय , अटल बिहारी वाजपेयी व राजमाता विजयाराजे सिंधिया सहित समस्त राष्ट्रभक्तों को मेरा कोटिशः वंदन।

-वसुंधरा राजे

कहानी

मां-बेटे

भुवनेश्वर

चारपाई को घेरकर बैठे हुए उन सब लोगों ने एक साथ एक गहरी साँस ली। वह सब थके–हारे हुए खामोश थे। कमरे में पूरी खामोशी थी, मरने वाले की साँस भी थकी हुई–सी हारी हुई थी। तीन दिन से वह सब मौत की लड़ाई देख रहे थे और उसकी जीत का इन्तजार कर रहे थे। पड़ोस के लोग खाली वक्त में आते, दरवाजे में घुसते ही मुँह सुखाकर किसी एक से धीमी आवाज में पूछते – डॉक्टर क्या कहता है? या ऐसी ही और कुछ कह, मरने वाले का बुझा हुआ खाली मुँह देखकर सलाह या आलोचना के कुछ लफ्ज कह चले जाते। वह सब दुनिया के साथ घूम रहे थे। सिर्फ मरने वाला धीरे–धीरे तेजी से अलग हो रहा था। चारपाई को घेरकर बैठने वाले, दुनिया में ऐसे वक्त जो होता आया है, कर रहे थे और जो दुनिया में होता आया है उसके लिए तैयार थे या तैयार हो रहे थे। मरनेवाली उनकी माँ, नानी और दादी ही तो थी।

बड़ी लड़की कुची गो भाई के दो खतों पर नहीं, उसकी लड़की को बच्चा होने वाला था, पर तार पाते ही अपनी लड़की को लेकर चली आई। बड़ा लड़का रेलवे की नौकरी में रात की ड्यूटी करता है, उसके लिए सुबह पराँठे कौन और कैसे बनाता होगा, छोटा लड़का अब तो फलाश की बैठक नहीं जमाता है, इससे माँ की बीमारी या मौत से उसका कोई रिश्ता है, यह वह कभी–कभी जानना चाहती है। छोटी अभी जवान है, अभी तीन साल हुए उसकी शादी हुई है। छोटी भाभी से बड़ी की चुगली खाती आई है, आज भी खाती है। माँ की बीमारी या मरने का अवसर वहाँ किस तरह पड़ रहा है, न जानती है, न जानना चाहती है। बड़ा लड़का अधेड़ हो चला है, घर से अलग हो गया था, उसकी बीबी को अलग चूल्हा जलाते आज सत्रह साल हो गए, मरनेवाली से उससे हजार शिकायतें हैं आज वह उन्हें भूल जाना चाहती है। बीमारी के खर्चे और शायद श्राद्ध में भी आधा देने को तैयार है, पर वह छोटे के हाथ में रुपया न देगी। कौन उससे झगड़ा मोल ले! न, वह इस झगड़े में न पड़ेगी। छोटी बहू पाँचवीं बार यह कहने के लिए बेताब है कि बड़ी बहू कल शाम को रोते हुए बच्चे का झूठा बहाना कर सो गई। सिविल सर्जन को वह बुला लेती पर बड़ी बार–बार सिविल सर्जन–सिविल सर्जन' क्यों चिल्ला रही है? क्या उनके सिवाय यहाँ सब देहाती, गधे ही हैं? दोनों लड़के एक–दूसरे से काफी अरसे से दूर रह चुके हैं, आज एक साथ पाकर कुछ अजब–सा जान रहे हैं। थर्मामीटर दोनों एक साथ देखते हैं, दवा की खुराक दोनों एक साथ देखते हैं। बैद जी से दोनों बातें करना चाहते हैं। इनके अलावे बच्चे हैं, उनके माँ–बाप उन्हें घेर–घेरकर कहते हैं बेटे, बेटी! नानी–दादी जा रही हैं देख लो, मरने वाली के कान के पास कहते हैं – अम्मा! पोता, नाती, पैर छू रहे हैं, असीस दो। मरनेवाली आँखें चौड़ी करती है और कुछ बुदबुदाती है। वही अकेली तो मर रही है। वही अकेली तो जोती जा रही है। पछत्तर साल कड़ाके की गरमी, जाड़े, बरसात में जो जीवन कड़ा और स्थिर हो चुका है, आज वह फिर बिखर रहा है! बड़ी लड़की कहती है – अम्मा, क्या सोच रही कहो? हमें देखो। भगवान का नाम लो।

बड़ी बहू कहती है – अम्मा, राम नाम हो, पाप कटें!

छोटी जो जेठ की वजह से घूँघट काढ़े हैं, साँस भरकर कहती है – अम्मा के बराबर पुन्नात्मा कौन होगा?

बड़े लड़के ने कॉर्निस पर से शीशी उठाकर दवा डाली – छोटे ने जम्हाई लेते हुए कहा – पीली में लगाने की दवा है। बड़े ने मुँह बनाया और अम्मा को उठाकर दवा पिला दी। तकिये में मुँह गड़ाकर उसने दीवार की तरफ करवट ली। उसके उलझे हुए छोटे सफेद बाल मैले तकिए पर बिखरे थे।

छोटी बिछौना बदलना चाती थी, पर बड़ी की राय न थी, छोटी ने फिर कहा अम्मा धोती में कै लगी है, बदलोगी? अम्मा ने करवट ली और घूरकर देखा। सबके चेहरे एक–से और सादे थे। उनमें सबमें भरपूर जिन्दगी थी। वह जैसे उनमें कुछ और ढूँढ़ रही थी। मौत के वक्त सुनते आए हैं कि सारी जिन्दगी फिल्म की तरह आँखों के सामने फिर जाती है, मन धीमा हो जाता है, निश्चित – और पके हुए – बीते हुए पर ही वह बार–बार टिकता है। वह शायद उसे याद हो या न याद हो पर उसका मन तो रीता, बेजबान जानवर की तरह हो रहा था। अब जब उसने उनके चेहरे 'डीज', की पुरानी लालटेन में देखे तो वह एकबारगी सोच उठी कि यह सब असफल क्यों हो गए? बड़े लड़के को, जब वह पैदा भी नहीं हुआ था और जब मुहल्ले का एक लड़का वकील हुआ था, उसने वकील बनाना चाहा था। पर वह वकील क्यों नहीं बना? उसने उसकी तरफ गर्दन घुमाकर देखा, वह पास आकर बोला – क्या है अम्मा! वह अजाने की तरफ से संतुष्ट हो गयी। उसने पानी माँगा।

पानी पीकर वह थककर लेट रही। आस–पास लोग बातें कर रहे थे। बड़ी लड़की की गर्भवती लड़की भी वहाँ आकर बैठ गयी थी। उसकी माँ उसे हटाना चाहती थी। छोटा लड़का कुछ सोच रहा था और दुखी था। अम्मा ने एकबारगी धीमे से पुकारा, छोटे! छोटा लड़का उठकर पास तक गया और रो दिया। अम्माँ ने मुँह फेर लिया। उसने आँसू पोंछते हुए कहा–सबेरे बड़े डॉक्टर को बुलाएँगे – और धोती से नाक पोंछते हुए बाहर चला गया। बड़ी ने गोद में लेटे हुए लड़क के मुँह में दूध देते हुए जानकारी से कहा – हाँ, सिविल सर्जन को बुलाओ, लाला! छोटी ने मुँह बनाया। छोटी लड़की कुछ बूझकर मुस्कराई। बड़ी लड़की ने अपने बने हुए दाँत निकालकर कहा, कितना लेगा बहू?' बड़ा लड़का बोला – बड़ा डॉक्टर कोई परमात्मा है? और फिर सब चुप हो गए। अम्मा ने पूरा–पूरा सुना और जान लिया कि बड़ा डॉक्टर परमात्मा नहीं है। परमात्मा का ख्याल आते ही उसे एकबारगी मालूम हुआ कि परमात्मा से वह इस वक्त भी उतनी ही दूर है जितनी कभी थी। सिर्फ उसमें उस वक्त एक तकलीफ, एक तंगी समाई हुई है जो कभी न थी। वह कमरे की सब चीजें गौर से देखने लगी। उन चीजों को वह लाख बार देख चुकी थी; यहाँ तक कि वे अपनी असली शक्ल खो बैठे थे। पर आज वह सब अलग–अलग और तीखी मालूम हो रही थीं। बड़ी बहू से वह नाराज है। एक मरतबे उसने गुस्से में यह भी कह दिया था कि मरते वक्त मैं तेरे हाथ का पानी भी न पीऊँगी! छोटी नेक है। उसने उसकी बड़ी सेवा की है; पर आज वह दोनों एक नए ही रूप में उसके सामने आ रही हैं। वह देख रही है कि वे दोनों गरीब हैं, दोनों लाचार हैं। क्यों लाचार हैं? वह सोचने लगी – यह भूलकर कि वह खुद लाचार है। वह फिर बुदबुदा उठी, कुच्चो! कुच्चो – बड़ी लड़की आँचल सँभालकर उठी पर अम्मा का चेहरा तब पत्थर की तरह सफेद हो चुका था। वह उसे गौर से देखने लगी। बड़ी बहू – अम्मा कुछ सोच रही हैं।

बड़ा लड़का – मोह–माया घेरे है। दुनिया अजब तमाशा है! बड़ी बहू – न जाने किसकी किस्मत में क्या लिखा है। (एक गहरी साँस लेकर छोटी बहू धीरे से) बाबूजी की बात सोच रही होंगी! पर अम्मा बाबूजी (अपने पति) की बात नहीं सोच रही थीं। वह सब बहुत दूर था। वहाँ तक घिसटकर पहुँचने में मन में ताकत नहीं रह गयी थी। वह इन लोगों से दूर, दूर–धीरे–धीरे चली जा रही थी।

वाकई यह सब लोग असफल रहे। एक आदमी मरते वक्त ही दूसरे की इस बेमतलब और शर्मनाक असफलता को पूरी तरह जान सकता है। कुच्चो एक जमाने में हसीन–उमंगोंवाली थी। पहली सन्तान, माँ–बाप की लाड़ली। हौसले से ब्याही गई, पर यही नहीं कि समय–सूरमा से हार गई हो, पर रीती–रीती हो गयी। अम्मा का एक वक्त इस पर अटूट प्यार था, जो बाद में बड़े लड़के के हिस्से में पड़ा। वह भी असफल रहा। अम्मा ने इन सबके लिए गहरे रंगों के पैटर्न बनाए, पर वह सब टूट गए। इनमें से एक भी उसके नजदीक न था, उसका न था। इस वक्त तो उसके वही अपने थे जो बिलकुल पूरे–पूरे उसके बनाए थे। हो सकता है, उसने उनसे बहुत ज्यादा चाहा, पर क्या हुआ। किसी को अपनाना कुछ कम है? आधी रात को वह सब जमीन में बिस्तर बिछाए सो रहे थे, सिर्फ अम्मा जाग रही थी और जैसे डूब रही थी। ताज्जुब है कि उसकी तकलीफ भी डूब रही थी। वह दूर–दूर की बातें सोचने लगी। बेमतलब, बेजोड़। कोई मकान, कोई कभी का देखा हुआ आदमी, वह अजीब आवाजें सुनने लगी। पर यह हालत बहुत देर तक न रही। वह घबराने लगी जैसे वह अकेली किसी अँधेरे रास्ते पर जाने से डर रही है। बदन में शक्ति न थी, वह बहुत दिन हुए जान चुकी थी, इसकी आदी हो चकी थी, पर इस वक्त वह उस शक्ति के लिए लड़ने को तैयार हो गई। और सब सो रहे थे। वह उनके नथनों की आवाज़ सुन रही थी, पहचान रही थी, पर यह सब उसके लिए क्या है, जब उसके ही अपने जिस्म में शक्ति न थी? वह तो उसके लिए लड़ेगी! उसके चेहरे की शान्ति गायब हो गई। वहाँ एक कड़वे संग्राम ने जगह पाई। उसका मुँह तीखा और–और भी बेजान हो चला।

बड़ा लड़का इत्तफाक से जाग उठा, वह कोई अप्रिय सपना देख रहा था। उसने खाँसकर सिरहाने रखा पानी पिया और उठकर अम्मा के पास आया, झुककर धीमी रोशनी में उसने उसका मुँह देखा, सिरहाने खाटपर ही सर रखे सोती हुई छोटी बहन को जगाना चाहा, पर फिर अम्मा के बाल सँभालते हुए बोला – अम्मा! अम्मा ने चौंककर उसकी तरफ देखा और वह अन्दर का संग्राम जैसे धीमा पड़ गया, उसमें उसे थोड़ी–सी शान्ति मिली। बड़े लड़के ने फिर पुकारा – अम्मा! अम्मा फिर जैसे सोते से जगी। उसके पूरे–पूरे मन ने लड़के को पहचान लिया। वह एक पल के लिए उसके सिवा सब कुछ भूल गई। उसके स्तनों से एक गहरी और तीव्र लालसा बह उठी, उसे कुछ दे डालने को – कुछ! पानी पिओगी!' लड़के ने कहा।

अम्मा के अंग–अंग ने कुछ बोलना चाहा, पर वह बोल न सकी। संग्राम फिर शुरू हो गया। उसने मुँह फेरकर जोर–जोर से साँस लेना शुरू किया। बड़े लड़के ने कुछ घबराकर उसकी दोनों बाँहों पर हाथ रखकर कहा – क्या है अम्मा?

अचानक अम्मा ने पाया, अपने अन्दर एक पुरानी पहचानी हुई लपट को तीर की तरह सब तरफ से घुसते हुए। उसने जाना था कि यह लपट हमेशा के लिए बुझ गई है; पर इस वक्त, इस समूचे और सच्चे संग्राम के वक्त इसके छू–भर जाने से वह पुरानी लपट उसके रोएँ–रोएँ में नाच उठी। वह सिहर उठी और अब सारा संग्राम उस लपट की ओर मुड़ गया। बड़ा बेटा काँपती हुई अम्मा को मजबूती से थामकर उसके बिलकुल नजदीक आ गया था, यहाँ तक कि उनके सीने मिल गए और वह लपट और तेज़ हो गयी और कमर के नीचे के हिस्से में बढ़कर उसकी पिंडलियों में चक्कर काटने लगी। उसने मुश्किल से अपने कमजोर हाथ उठाए और एक प्रेत के स्पर्श की तरह उसकी पीठ को सहलाने लगी। सारा संग्राम खत्म हो चुका था, सिर्फ उसके कमजोर मरते हुए हाथ एक अन्दर की प्रेरणा से बेटे की पीठ पर घिसटते रहे और फिर धीरे–धीरे मर गए। बड़े ने आज तक किसी को मरते न देखा था इसीलिए वह किसी को वक्त पर जगा भी न सका।

– 'हिन्दी समय' से साभार

विशेष

अस्त्र-शस्त्र व वस्तुओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का दिन आयुध पूजा

अशोक प्रवृद्ध

शक्ति और शक्ति के समन्वय का पर्व नवरात्र और विजयादशमी शारीरिक– मानसिक शुद्धता के साथ विजय का त्योहार है। विजय की प्राप्ति शारीरिक– मानसिक शक्ति, आयुध, अस्त्र के माध्यम से ही होती है। यही कारण है कि युद्ध व जीवन काल में उपयोगी वस्तुओं को सम्मानित, पूजित करने के उद्देश्य से प्राचीन काल से ही नवरात्र पूजन के साथ आयुध पूजा का भी विधान रहा है। आयुध पूजा को अस्त्र पूजा भी कहा जाता है। अस्त्र भी आयुध का पर्याय है। सामान्य रूप में इसका अर्थ है– अस्त्र–शस्त्र की पूजा। विभिन्न क्षेत्रों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार आयुध पूजा के महानवमी, अस्त्र पूजा, सरस्वती पूजा, महारा नवमी, विश्वकर्मा पूजा और शास्त्र पूजा आदि अनेक नाम हैं। नवरात्रि के दौरान और दशहरा से पहले आयुध पूजा की भारत में प्राचीन व महत्वपूर्ण परंपरा है। नवरात्रि के बाद आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को विजयादशमी के दिन मनाई जाने वाली आयुध पूजा में अस्त्र–शस्त्रों का पूजन किया जाता है। कुछ स्थानों पर इसे आश्विन शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि अर्थात शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन उपकरण और शस्त्रों की पूजा करने से विजय प्राप्ति का वरदान मिलता है। आयुध पूजा को ज्ञान और विद्या की देवी सरस्वती पूजा के रूप में भी देखा जाता है। आयुध पूजा के समय ज्ञान, कला और साहित्य की देवी सरस्वती, धन की देवी लक्ष्मी व शक्ति की देवी पार्वती प्रमुख रूप से पूजी जाती हैं। अनुष्ठान में यंत्र, अस्त्र– शस्त्र, पुस्तकें, संगीत वाद्ययंत्र, औजार आदि को सम्मानित करते हुए आशीर्वाद के लिए पूजन स्थल पर रखा जाता है। मान्यता है कि इस पर्व का आरम्भ त्रेतायुग में नवरात्रि काल में नवमी के दिन अयोध्या पूजा के साथ हुआ था। आयुध पूजा मुख्य रूप से दक्षिण भारत के कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना आदि राज्यों में मनाया जाने वाला एक लोकप्रिय पर्व है। दक्षिण भारत के राज्यों में इस दिन छात्र सत्य ज्ञान के लिए देवी सरस्वती की पूजा व प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर सैनिकों द्वारा अस्त्र– शस्त्रों अर्थात हथियारों की पूजा की जाती है। शिल्पकारों, कारीगरों के लिए उनके उपकरण पूजनीय होते हैं। किसी भी कार्य में उससे संबंधित साधन ही अच्छा प्रदर्शन करने और उचित पुरस्कार पाने के लिए एक दिव्य शक्ति के रूप में कार्य करते हैं। युद्ध में प्रयुक्त होने वाले अस्त्र–शस्त्र विजय प्राप्ति के लिए अत्यंत प्राचीन काल से ही भारत में पूजनीय रहे हैं।

पौराणिक मान्यतानुसार आयुध अनुष्ठान अस्त्र– शस्त्र व आजीविका से जुड़े उपकरणों की पूजा करने के लिए किया जाता है। आयुध पूजा के माध्यम से भक्त देवताओं के दिव्य आशीर्वाद से अपने अस्त्र– शस्त्र व औजारों को विधिपूर्वक शुद्ध करते हैं। विजयादशमी कृतज्ञता का दिन है। अपने जीवन काल में प्राप्त होने वाली सफलता, मिलने वाली उपलब्धियों के प्रति कृतज्ञ होने का दिन है। जीवन में वस्तुएं सिर्फ आकार नहीं, बल्कि उनकी उपयुक्तता से निर्णायक है। बहुत छोटी–छोटी चीज़ें जीवन में बहुत महत्व रखती हैं। अपने दैनिक जीवन में उपयोग की वस्तु, साधन और उपकरणों की कार्यक्षमता, गुण को आयुध पूजा के माध्यम से पूजा जाता है। आयुध पूजा के दिन उन उपकरणों का आदर किया जाता है, उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट किया जाता है, जिनका हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व होता है। यह दिन अपनी आजीविका के लिए उपयोग किए जाने वाले औजारों की पूजा और प्रार्थना करने के लिए विशेष महत्व का माना जाता है, ताकि उनका उपयोग सहज, सुगम ढंग से कर सकें और सफलता सुनिश्चित कर सकें। अपने दैनंदिनी जीवन में उपयोग में आने वाली हर वस्तु के प्रत्ति आदर, सम्मान से ओत– प्रोत होने से ही जीवन पूर्णत्व को प्राप्त होता है। वस्तु के महत्व को जानने से वह वस्तु कई गुना अधिक उपयोगी हो जाती है। जीवन के लिए उपयोगी वस्तुओं को महत्व देने से उन वस्तुओं से संतुष्टि प्राप्त होती है। उल्लेखनीय है कि सभी उपकरण एक ही दिव्यता की प्रतीक हैं। सभी उपकरण मन के द्वारा सृजित हैं, और मन ईश्वर के द्वारा सृजित है। बल्कि कहा गया है–मन ईश्वर ही है। इस मन में कुछ निर्माण करने के सभी विचार एक ही स्त्रोत से आये हैं। और वह स्त्रोत है –देवी।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

दिव्यता

घटना दस–बारह वर्ष पूर्व की है। भाषा, संस्कृति और सेवा के लिए कार्यरत हमारी संस्था हिंदी आंदोलन परिवार, समाज के अलग–अलग वर्ग के लिए विशेष आयोजन करती रहती है। इसी संदर्भ में हम नेत्रहीन बालिकाओं की एक निवासी पाठशाला में पहुँचे। यहाँ पहली से दसवीं तक की कक्षाएँ लगती हैं। लगभग 150 की क्षमता वाली इस पाठशाला की सभी बालिकाओं के लिए हम उपहारस्वरूप स्कार्फ खरीदकर ले गए थे। पाठशाला के मैदान में पाँचवीं और छठी कक्षा की छात्राओं के लिए स्कार्फ का वितरण हो रहा था। मेरी धर्मपत्नी ने थैले से स्कार्फ निकालकर एक छात्रा के हाथ में दिया। आश्चर्य! उस बिटिया ने स्कार्फ लेकर उसे सूंघा, फिर बोली, यह रंग मुझे अच्छा नहीं लगता। इसे बदलकर गुलाबी रंग का स्कार्फ दीजिए ना! हमारे रोंगटे खड़े हो गए। नेत्रों से जलधारा बह निकली। जन्मांध बच्ची को स्कार्फ के रंग का बोध कैसे हुआ? बड़ा प्रश्न है कि इस बच्ची के लिए रंग की परिभाषा क्या होती होगी? रंग को लेकर उसके मन में कैसी भावनाएँ उठती होंगी?

इस संदर्भ में अपनी एक कविता की कुछ पंक्तियाँ स्मरण हो आईं,

आँखें, जिन्होंने देखे नहीं कभी उजाले,
कैसे बुनती होंगी आकृतियाँ–
भवन, झोपड़ी, सड़क, फुटपाथ,
कार, दुपहिया, चूल्हा, आग,
बादल, बारिश, पेड़, घास,
धरती, आकाश
दैहिक या प्राकृतिक सौंदर्य की,
'रंग' शब्द से कौनसे चित्र बनते होंगे
मन के दृष्टिपटल पर,
भूकंप से कैसा विनाश चितरता होगा,
बाढ़ की परिभाषा क्या होगी,
इंजेक्शन लगने से पूर्व
भय से आँखें मूँदने का विकल्प क्या होगा,
आवाज़ को घटना में बदलने का
पैमाना क्या होगा,
चूल्हे की आँच और चिता की आग में
अंतर कैसे खोजा जाता होगा,
दृश्य या अदृश्य का
सिद्धांत कैसे समझा जाता होगा..?

बिना आँख के दृश्य और अदृश्य के इस बोध को अध्यात्म छठी इंद्रिय की प्रबलता कहता है। किसी एक इंद्रिय के निर्बल या निष्क्रिय होने की स्थिति में आंतरिक ऊर्जा का सक्रिय होना ही छठी इंद्रिय की प्रबलता का द्योतक है। भारत के प्रधानमंत्री ने इस प्रबलता के अधिष्ठाता का सटीक नामकरण 'दिव्यांग' किया है। स्कार्फ के रंग को पहचाना, अपनी पसंद के रंग का स्कार्फ मांगना, उस बिटिया के भीतर की दिव्यता थी।

विशेष बात है कि यह दिव्यता हम सब में भी विद्यमान है। ध्यान, प्राणायाम, स्वाध्याय, चिंतन, सत्संग, विद्वानों से चर्चा के माध्यम से इसे जाग्रत किया जा सकता है। बहुत कुछ है जिसे देखा जा सकता है, समझा जा सकता है।

अर्जुन ने परमात्मा के विराट का दर्शन किया था। आत्मा अंश है परमात्मा का। इसका अर्थ है कि विराट का एक संस्करण हम सब में भी विद्यमान है, अंतर्निहित है। इस अंतर्निहित को, योगेश्वर कुछ यूँ समझाते हैं,

इहैकस्थं जगत्कृत्स्नं पश्याद्य सचराचरम ।
मम देहे गुडाकेश यच्चान्यद्द्रष्टुमिच्छसि ।। 7 ।।

अर्थात 'हे गुडाकेश ! अब इस मेरे शरीर में एक स्थान पर स्थित हुए चराचर सहित सम्पूर्ण जगत को देखो तथा और भी जो कुछ तुम देखना चाहते हो, उसे भी देखो।' निद्रा को जीत चुके व्यक्ति को गुडाकेश कहते हैं। संकेत स्पष्ट है। दृष्टि की दिव्यता को सक्रिय करो, विराट रूप दर्शन संभव है। उस विराट को जानने की यात्रा अपने विराट को पहचानने से होती है। अपनी दिव्यता की अनुभूति इसका आरंभ बिंदु हो सकता है।... शुभं अस्तु।

बोध कथा

ईश्वर के दर्शन

एक राज्य के राजा जिद पकड़ ली की उसे ईश्वर के दर्शन करने हैं, और राजा ने इसके बारे में दरबारियों से उपाय माँगा, की किस प्रकार ईश्वर का दर्शन किया जाए। दरबारियों ने जवाब दिया की महाराज यह कार्य तो मंत्री जी ही कर सकते हैं। तो फिर क्या था, राजा ने यह कार्य मंत्री जी को सौप दिया, और मंत्री से कहां की हमें ईश्वर के दर्शन कराया जाये, नहीं तो मंत्री जी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। मंत्री बेचारे घबरा गए, उन्होंने राजा से एक माह की मोहलत मांगी। फिर दिन पे दिन बीतते गए परन्तु बेचारे मंत्री को कुछ उपाय ही नहीं सूझ रहा था, चिंता में अपना खाना–पीना भी कम कर दिए थे, इस वजह से वे दुबले पतले होने लगे, मंत्री जी की पत्नी ने अपने पति की इस हालत को देखते हुए उन्हें ये सलाह दिया की आप किसी संत बाबा के पास चले जाएँ, सायद समस्या का कोई हल मिल जाये। फिर क्या था बेचारे मंत्री जी किसी अच्छे संत की तलाश में निकल गए, तलाश करते–करते कई दिन गुजर गए पर ऐसा कोई नहीं मिला जो मंत्री जी की समस्या का हल कर पाता। एक दिन वह जंगल के पास से गुजर रहे थे, गर्मी और धुप इतनी थी की वे थके हारे और पूरी तरह चिंता में डूबे, सुस्ताने के लिए एक पेड़ के छाव के निचे बैठ गए और उसकी आँख लग गयी। कुछ देर बाद किसी ने मंत्री को जगाया, मंत्री ने आँख खोल कर देखा की सामने एक सन्यासी खड़ा हुआ है। सन्यासी को पानी चाहिए था सो मंत्री ने पानी दिया। सन्यासी से मंत्री के चिंतित चेहरे को देखते हुए पूछा की क्या बात है तुम बहुत उदास दिखाई दे रहे हो। इस पर मंत्री महोदय ने सन्यासी को सारी बात बता दी। मंत्री की बात सुनकर सन्यासी ने कहा की आप चिंता ना करें, मुझे अपने साथ ले चलें, मैं आपके राजा को ईश्वर के दर्शन करा दूंगा। मंत्री की तो मानों सारी चिंताए समाप्त हो गयी। उसने सन्यासी से पूछना चाहा की आप राजा को ईश्वर के दर्शन किस प्रकार कराओगे, परन्तु सन्यासी ने कहां की वे स्वयं दरबार में चलकर राजा को उत्तर देंगे। फिर मंत्री सन्यासी को लेकर राजा के दरबार में पंहुचा और राजा से निवेदन किया की महाराज यह महात्मा आपको ईश्वर के दर्शन करा देंगे। राजा ने प्रसन्ता से उस महात्मा का स्वागत किया। फिर महात्मा ने राजा से एक बड़ा सा पात्र मंगवाया जिसमे कच्चा दूध भरा हुआ था। महात्मा ने कहा की राजन अभी आपको ईश्वर के दर्शन करा देता हूँ। और ऐसा बोलकर उस पात्र के दूध को चम्मच से हिलाने लगे। उस चम्मच को हिलाते–हिलाते कुछ समय बीत गया, परन्तु राजा को कोई ईश्वर का दर्शन नहीं हुआ। तो राजा ने महात्मा से पूछा की आप क्या कर रहें है। महात्मा बोले दूध से मक्खन निकालने की कोसिस कर रहा हूँ। यह बात सुनकर राजा अचरज में पड़ गए, और महात्मा से बोला की मक्खन ऐसे थोड़ी निकलता है, पहले दूध को गर्म करना पड़ता है, फिर दही जमानी पड़ती है और फिर उसे बिलोकर उसमे से मक्खन निकालना पड़ता है। राजा की इस बात पर महात्मा बोले की राजन जिस प्रकार दूध से सीधा मक्खन नहीं निकाला जा सकता ठीक उसी प्रकार ईश्वर के सीधे–सीधे दर्शन नहीं हो सकते। इसके लिए योग, भक्ति, शरीर और मन विचार को सुद्ध करना पड़ता है, और फिर जप तप और साधना से तपाना पड़ता है। फिर प्रेम व भक्ति के माध्यम से ईश्वर का दर्शन संभव है। दोस्तों यह सिख अनेक चीजों पे लागु होती है, हम अनेक सफल लोगों को देखते है और उनके जैसा बनना चाहते है।

वीर गाथा

मेजर सुशील ऐमा : 'उनकी मौजूदगी से आतंकवादी खौफ खाते थे'

मेजर सुशील ऐमा का जन्म 15 जुलाई, 1966 को श्रीनगर में हुआ था। जब उन्होंने एनडीए का फॉर्म भरा तो इस फैसले के बारे में किसी को नहीं बताया था। साल 1985 में जब वे चुन लिए गए तो पिताजी माखनलाल ऐमा को सूचना दी। वे बेटे के देशसेवा के फैसले से खुश हुए और सेना में जाने की इजाजत दे दी।

सुशील के साथी बताते हैं कि वे नई टेक्नोलॉजी में बहुत रुचि रखते थे। वहीं, उनकी मौजूदगी से आतंकवादी खौफ खाते थे। सुशील को 1988 में कोर ऑफ एयर डिफेंस आर्टिलरी में कमीशन मिला था। साल 1997 में मेजर बनने के बाद उन्हें 17 आरआर बटालियन में भेज दिया गया।

एक अगस्त, 1999 की रात को मेजर सुशील की यूनिट को सूचना मिली कि कुछ पाकिस्तानी आतंकवादियों का समूह नजदीक ही एक पहाड़ी पर इकट्ठा हुआ है। यह भी पुष्टि कर दी गई कि उक्त समूह पुंछ जिले के निकट एक गांव पर हमला करने की साजिश रच रहा है।

मेजर सुशील ने इस स्थिति से निपटने के लिए तुरंत ऑपरेशन की योजना बनाई। इसके लिए सबसे पहले संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी करनी थी। फिर भरपूर ताकत के साथ हमला करना था। वे अपने साथी जवानों के साथ वहां पहुंच गए और मुठभेड़ शुरू हो गई।

करीब सात घंटे तक गोलीबारी हुई। इस दौरान आतंकवादियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया। मेजर सुशील ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया, तभी उनकी कनपटी पर गोली लग गई। उन्होंने इसके बावजूद तीसरे आतंकवादी को मार गिराया। उसने ही उन्हें घायल किया था।

इसके बाद सुशील ने अपने घायल साथी की मदद की। मेजर और उनके साथियों ने कुल पांच आतंकवादियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की थी। उन्होंने भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार भी जब्त किए थे।

इसके बाद मेजर सुशील वीरगति को प्राप्त हो गए। वे आखिर तक बेहद बहादुरी से लड़े और भारत मां की रक्षा करते हुए उसकी गोद में लीन हो गए। मेजर सुशील ऐमा को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका ने पाक को बैलिस्टिक मिसाइलों के पुर्जों की आपूर्ति करने वाली चीनी कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए मिसाइलों से जुड़े उपकरणों की आपूर्ति करने के वास्ते तीन चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि ये प्रतिबंध वैश्विक अप्रसार व्यवस्था के तहत लगाए गए हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा,'आज, हम कार्यकारी आदेश 13382 के अनुसार तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसारकों और उनके वितरण से जुड़ी हैं। यह तीनों कंपनियां चीन की हैं और इन्होंने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के मिसाइल से जुड़े पुर्जों एवं उपकरणों की आपूर्ति की है।

पाकिस्तान का चीन सदाबहार सहयोगी है जो इस्लामाबाद के सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है।

यह तीनों कंपनियां जनरल टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बीजिंग लुओ लुओ टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और चांगझौ यूटेक कंपोजिट कंपनी लिमिटेड हैं। यह प्रतिबंध पाकिस्तान के अबाबील बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली के प्रक्षेपण के कुछ दिनों बाद लगाए गए हैं।

शुभारंभ

हैदराबाद में अभिनेत्री चांदनी भगवानानी, राशि सिंह, प्रियंका चौधरी और फैशन प्रेमी शनिवार को हैदराबाद में एचआईसीसी में हिललाइफ प्रदर्शनी के भव्य शुभारंभ पर।

भारत का कदम 'अंतरराष्ट्रीय नियमों के विपरीत': ट्रूडो

ओटावा/भाषा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शुक्रवार को कहा कि 41 कनाडाई राजनयिकों की 'इम्युनिटी' को रद्द करने का भारत का फैसला वियना संधि का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि इससे सभी देशों को चिंतित होना चाहिए।

ट्रूडो का यह बयान राजनयिकों की संख्या में समानता सुनिश्चित करने के प्रयास को कनाडा द्वारा अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन के तौर पर पेश करने की कोशिश को भारत की ओर से खारिज किए जाने के कुछ घंटे के बाद आया है।

ओंटारियो के ब्राम्पटन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रूडो ने कहा कि भारत सरकार, भारत और कनाडा में लाखों लोगों के लिए जीवन को सामान्य रूप से जारी रखना 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बना रही है। उन्होंन कहा, और, वे कूटनीति के एक बहुत ही बुनियादी सिद्धांत का उल्लंघन करके ऐसा कर रहे हैं। ट्रूडो ने दावा किया कि भारत ने जो कार्रवाई की वह अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत है। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने भारत में 40 कनाडाई राजनयिकों की राजनयिक छूट को एकतरफा रद्द करने का फैसला किया। यह वियना संधि और शासकीय कूटनीति का उल्लंघन है। वे अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीति के एक बहुत ही बुनियादी सिद्धांत का उल्लंघन करना चुन रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में दुनिया के सभी देशों को बहुत चिंतित होना चाहिए।

जयशंकर ने सिंगापुर के गृह मंत्री के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

सिंगापुर/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम से शनिवार को मुलाकात की और उनके साथ क्षेत्रीय एवं वैश्विक घटनाक्रम और द्विपक्षीय संबंधों को अधिक मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

जयशंकर दक्षिण पूर्व एशिया की अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सिंगापुर पहुंचे। वह वियतनाम की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा के बाद यहां आए हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज, गृह और कानून मंत्री के. षणमुगम से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इस बीच क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्री की षणमुगम के साथ मुलाकात सिंगापुर के उनके समकक्ष विवियन बालकृष्णन, उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, व्यापार एवं उद्योग मंत्री गैन किम योंग और वरिष्ठ मंत्री टेयो ची हीन से मुलाकात के एक दिन बाद हुई। जयशंकर ने सिंगापुर के रक्षा मंत्री एनजी इंग हेन से बातचीत की और यहां भारत के आसियान तथा पूर्वी एशिया के राजदूतों के क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा था कि जयशंकर की यात्रा सिंगापुर और भारत के बीच घनिष्ठ और दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि करती है जो रणनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर बने हैं।

मलयाली लघु फिल्म 'उल्लारिवु' को मुंबई फिल्म महोत्सव के लिए चुना गया

कोच्चि/भाषा

केरल के एक युवा निर्देशक द्वारा लिखित और निर्देशित मलयाली लघु फिल्म 'उल्लारिवु' का चयन प्रतिष्ठित मुंबई फिल्म महोत्सव में स्क्रीनिंग के लिए हुआ है। सुमी मथाई द्वारा निर्मित लघु फिल्म को 'फोकस दक्षिण एशिया श्रेणी' में प्रदर्शित किया जाएगा। यह मुंबई फिल्म महोत्सव में दक्षिण एशियाई और दक्षिण एशियाई प्रवासी फिल्म निर्माताओं द्वारा फीचर और लघु फिल्मों के लिए एक गैर-प्रतिस्पर्धी श्रेणी है। मुंबई फिल्म महोत्सव 27 अक्टूबर से शुरू होगा। 'उल्लारिवु' श्रेणी में स्क्रीनिंग के लिए चुनी गई एकमात्र मलयाली लघु फिल्म है। सुमी मथाई ने कहा कि फिल्म का निर्माण छोटी-छोटी राशि जमा करके (क्राउडफंडिग के) माध्यम से हुई है। एक सौ पचपन लोगों द्वारा दान में दिये गये नौ लाख रुपये से यह फिल्म बनाई गयी है।

सुमी ने बताया, फिल्म की शूटिंग कोट्टयम के पास पूंजर के एक गांव में हुई। यह फिल्म एक युवा लड़की के प्रकृति के साथ गहरे संबंध को लेकर है। फिल्म में नायक की भूमिका में बाल कलाकार देवानंद शमेज नजर आएंगे। इसके अलावा प्रदीप जोसेफ, नंदिनी गोपालकृष्णन, शिवार्चन राजेश, क्रिस राज, अरुण कलाभवन, मिन्नू एल्सा जोशी और अक्स प्रसाद भी मुख्य किरदार में दिखेंगे। 'उल्लारिवु' सुमी के निर्देशन में बनी दूसरी लघु फिल्म है। उनकी पहली अंग्रेजी लघु फिल्म 'डेटोर' थी।

ब्रिटेन में चार साल के आत्म-निर्वासन के बाद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ स्वदेश लौटे

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ अपनी पार्टी का नेतृत्व करने और जनवरी में संभावित आम चुनाव में रिकॉर्ड चौथी बार सत्ता में आने के प्रयास के तहत ब्रिटेन में चार साल के आत्म-निर्वासन के बाद शनिवार को विशेष विमान से दुबई से स्वदेश लौट आए।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख शरीफ (73) विशेष विमान उम्मीद-ए-पाकिस्तान से दुबई से स्थानीय समयानुसार अपराह्न डेढ़ बजे इस्लामाबाद पहुंचे।

शरीफ के आगमन पर, उनकी कानूनी टीम ने उनसे मुलाकात की और 19 अक्टूबर को अदालत द्वारा अनुमोदित जमानत प्रक्रिया के तहत इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में जमा करने के लिए कुछ कानूनी दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर लिए।

हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने उनका बायोमेट्रिक्स भी लिया। पीएमएल-एन सुप्रीमो की कानूनी टीम में पूर्व कानून मंत्री आजम तरार शामिल हैं। इस्लामाबाद में करीब एक घंटा रुकने के बाद वह मीनार-ए-पाकिस्तान में एक रैली को संबोधित करने के लिए लाहौर रवाना होंगे।

हवाई अड्डे पर शरीफ के स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं को बुलाया नहीं गया था, लेकिन दर्जनों समर्थक इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर पहुंच गए। विशेष उड़ान में सवार लगभग 150 पीएमएल-एन समर्थक पूरी उड़ान के दौरान नारे लगाते रहे। उड़ान के दौरान शरीफ शांत रहे और उन्होंने शाम को लाहौर में अपने संबोधन के नोटस पढ़े। दुबई हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में पूर्व प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में बेहद अराजक स्थिति पर निराशा जताई और विश्वास जताया कि उनकी पार्टी नकदी संकट से जूझ रहे देश को मौजूदा संकट से बाहर निकालने में सक्षम है। शरीफ ने कहा, मैं आज चार साल बाद पाकिस्तान वापस जा रहा हूं। जब मैं पाकिस्तान छोड़कर विदेश जा रहा था, तो मुझे खुशी का कोई एहसास नहीं था, लेकिन आज मैं खुश हूं।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बहुत अच्छा होता, अगर देश की स्थिति 2017 की तुलना में आज बेहतर होती। उन्होंने कहा, हालात 2017 से बेहतर नहीं हैं...यह सब देखकर मुझे दुख होता है कि हमारा देश आगे बढ़ने के बजाय पीछे चला गया है। उन्होंने कहा, देश की हालत देखकर मैं बहुत चिंतित और निराश हो जाता हूं। जिस देश को आगे बढ़ना था, वह अब आर्थिक और एकजुटता के दृष्टिकोण से पीछे जा रहा है।

इजराइल संघर्ष के बीच लंदन में यहूदी, इस्लाम विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि

लंदन/भाषा। पश्चिम एशिया में इज़राइल और हमास के बीच शुरू हुए संघर्ष के बाद से ब्रिटेन की राजधानी लंदन में यहूदी विरोधी और 'इस्लामोफोबिक' घृणा अपराधों में वृद्धि दर्ज की गई है। स्कॉटलैंड यार्ड (लंदन महानगर पुलिस) के शुक्रवार को सामने आए आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। महानगर पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, एक से 18 अक्टूबर के बीच 218 यहूदी विरोधी अपराध हुए, जबकि पिछले साल इसी अवधि में मात्र 15 अपराध हुए थे। आंकड़ों में कहा गया है कि इसी अवधि के दौरान, इस्लामोफोबिक' (मुस्लिमों के खिलाफ) अपराधों की संख्या इसी अवधि में पिछले साल के मुकाबले 42 से बढ़कर 101 हो गई। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार दोनों समुदायों के खिलाफ घृणा अपराध में क्रमशः 1,353 प्रतिशत और 140 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

फिल्म 'पवित्र रिश्ता' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की फिल्म पवित्र रिश्ता का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म पवित्र रिश्ता का ट्रेलर एसआरके म्यूजिक के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है, जिसमें यश कुमार के साथ-साथ रक्षा गुप्ता और तनुश्री मुख्य भूमिका में नजर आ रही है। इस फिल्म के निर्माता अविनाश रोहरा और समीर आफताब हैं, जबकि निदेशक प्रवीण कुमार गुड्डुरी और प्रकाश जैश हैं। एक्चुअल मूवीज और मैडज़ मूवीज़ प्रस्तुत फ़िल्म पवित्र रिश्ता रिश्तो की निश्छलता और पवित्रता पर आधारित है।

इस फिल्म को लेकर यश कुमार ने कहा कि कथा प्रधान फिल्म पवित्र रिश्ता सच में एक पवित्र कहानी है। दर्शकों के बीच हमारी फिल्म जल्द ही आएगी, जिसकी एक झलक आज ट्रेलर के रूप में जारी की गई है। उन्होंने फिल्म के लिए दर्शकों से अपील करते हुए कहा कि दुर्गा पूजा के अवसर पर वे इस फिल्म के ट्रेलर को भी खूब से खूब देखें और आनंद लें।

इसके अलावा जब यह फिल्म रिलीज होगी, तब इसे जरूर अपने परिवार के साथ घर सिनेमाघर में जाकर देखें। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में सभी कलाकारों ने अपना बेस्ट दिया है।

फिल्म पवित्र रिश्ता में यश कुमार, रक्षा गुप्ता, तनुश्री, संजय पांडेय, प्रकाश जैश, जे नीलम, देव सिंह, बब्लू खान, सोनिया मिश्रा, उमाकांत राय, प्रेरणा सुषमा मुख्य भूमिका में हैं।। सह - निर्माता प्रकाश जैश हैं। संगीतकार साजन मिश्रा हैं।

गीतकार धरम हिंदुस्तानी और कथा-पटकथा-संवाद इंद्रजीत कुमार का है। कार्यकारी निर्माता कमल यादव हैं। छायाकार माही सरला हैं।कोरियोग्राफर प्रवीण शेलार और कला नजीर शेख का है।

कन्या पूजन

रांची में शनिवार को दुर्गा पूजा महोत्सव की महासप्तमी के अवसर पर फूल पति यात्रा के दौरान कुमारी कन्या की पूजा करती नेपाली महिलाएं।

फिल्म गेम चेंजर में काम करेंगी कियारा आडवाणी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी तेलगु फिल्म गेम चेंजर में काम करती नजर आयेंगी। एस. शंकर के निर्देशन में बन रही फिल्म गेम चेंजर में कियारा आडवाणी ,राम चरण के अपोजिट नजर आयेंगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में कियारा एक्शन करती नजर आयेंगी। कियारा का कहना है कि वह लगातार कुछ नया करने की कोशिश कर रही हैं। वह उन जॉनर की फिल्में कर रही हैं, जिसमें उन्होंने पहले हाथ नहीं आजमाया। 'गेम चेंजर' का निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले दिल राजू द्वारा किया गया है।

फिल्म 'देवरा' का दूसरा शेड्यूल शुरू करेंगी जान्हवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

'गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल', 'रूही' और 'बवाल' जैसी फिल्मों से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री जान्हवी कपूर 24 अक्टूबर को अपनी अंडर-प्रोडक्शन फिल्म 'देवरा' के दूसरे शूट शेड्यूल की शुरुआत करेंगी। फिल्म में एनटीआर जूनियर भी हैं, जिन्होंने अपनी ऐतिहासिक फिक्शन फिल्म 'आरआरआर' से वैश्विक सफलता दर्ज की थी। यह फिल्म एनटीआर जूनियर को निर्देशक कोराताला शिवा के साथ उनके आखिरी सहयोग 'जनथा गैराज' के बाद फिर से जोड़ती है, जो 2016 में रिलीज हुई थी। एक सूत्र के मुताबिक, जान्हवी 24 अक्टूबर को एनटीआर जूनियर के साथ 'देवरा' के लिए दूसरा शूट शेड्यूल शुरू करेंगी। अभिनेत्री ने पहले शेड्यूल की शूटिंग केवल 3 दिनों के लिए की थी। वह अक्टूबर से गोवा में प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त रहेंगी और शूटिंग शेड्यूल लगभग 3 से 4 महीने यानी जनवरी तक बढ़ाया जाएगा। इससे पहले, निर्देशक कोराताला शिवा ने खुलासा किया था कि इसकी कहानी के साथ न्याय करने के लिए फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। कोराटाला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा कि फिल्म तटीय भारत की भूमि पर आधारित है और कैनवास बहुत बड़ा है। जैसे ही हमने फिल्म की शूटिंग शुरू की, कैनवास अपने आप सामने आ गया और बड़ा होने लगा। फिल्म में हर किरदार का अपना महत्व है और उन्हें गहराई से विस्तार तलाशने की जरूरत है, जिसे हम एक हिस्से में उचित नहीं ठहरा सकते। अपने संदेश को समाप्त करते हुए उन्होंने कहा कि इसलिए हमने इस बड़ी कहानी और कैनवास को दो भागों में बताने का फैसला किया। अब तक के सबसे बड़े कैनवस में से एक 'देवरा' को दो भागों में बनाया जाएगा। फिल्म का निर्माण युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा किया गया है, और इसे नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

'इंडियन पुलिस फोर्स' जनवरी में होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और विवेक ओबेरॉय स्टारर एक्शन से भरपूर सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' के निर्माताओं ने शनिवार को कहा कि यह शो 19 जनवरी, 2024 को रिलीज होगा। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर, निर्माताओं ने भारतीय पुलिस अधिकारियों की अथक प्रतिबद्धता के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में रोहित शेट्टी द्वारा निर्मित और रोहित और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्देशित 7-पार्ट सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' के प्रीमियर की तारीख की घोषणा की। सीरीज शेट्टी के डिजिटल निर्देशन की पहली फिल्म होगी, जिसमें सिद्धार्थ मुख्य भूमिका में पुलिस अवतार में होंगे। इसमें श्वेता तिवारी, निकितिन धीर, ऋतुराज सिंह, मुकेश ऋषि, ललित परिमू भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इस बारे में बात करते हुए, रोहित ने कहा: 'इंडियन पुलिस फोर्स' कॉप-वर्स में एक निर्माता के रूप में मेरी यात्रा का अभिन्न अंग है, जिसे मैंने और रोहित शेट्टी पिक्चरज में मेरी टीम ने सालों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ बनाया है।

फिल्म निर्माता ने कहा, मुझे अपने कास्ट और क्रू पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस एक्शन सीरीज को प्रस्तुत करने के लिए समर्पित रूप से मिलकर काम किया, जो हमारे भारतीय पुलिस अधिकारियों की वीरता, बलिदान और साहस का सम्मान करता है।

यह सीरीज देश भर में भारतीय पुलिस अधिकारियों की निस्वार्थ सेवा, बिना शर्त प्रतिबद्धता और प्रचंड देशभक्ति की सराहना करती है, जिन्होंने हमें सुरक्षित रखने के लिए अपने कर्तव्य की पुकार पर सब कुछ दांव पर लगा दिया। पोस्टर को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए सिद्धार्थ ने लिखा, ''लोकेशन क्लियर! टारगेट लॉक! फोर्स आ रही है! रोहित शेट्टी यूनिवर्स कॉप के लिए रिपोर्टिंग, आर्म्ड और स्ट्राइक करने के लिए तैयार!

पोस्टर के कैप्शन में शिल्पा ने लिखा, ''जब सायरन बजेगा तो समझो क्राइम की बैंड बजेगी... आ गई पुलिस! पुलिस स्मृति दिवस पर हमारी भारतीय पुलिस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, यह शो उनकी वीरता, निस्वार्थ सेवा, अटूट प्रतिबद्धता और उग्र देशभक्ति को श्रद्धांजलि है।'' 'इंडियन पुलिस फोर्स' का प्रीमियर 19 जनवरी 2024 को प्राइम वीडियो पर होगा।

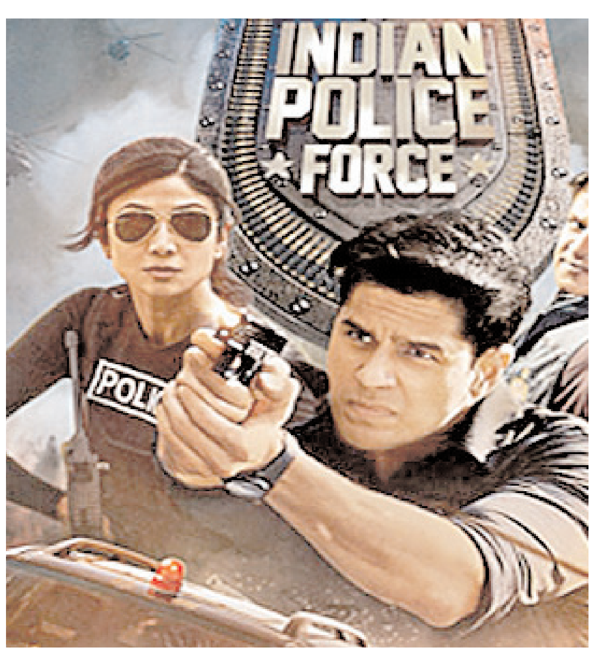

/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा पहला जेबीएन अंतर्गत एसएसबी (स्मॉल स्केल बिज़नेस) ओरिएंटेशन का कार्यक्रम शुरू किया गया। यह कार्यक्रम एक रेफरल समूह शुरू करने की एक पहल थी।

‘नवपद की पूजा अत्यन्त पुण्यवर्द्धक है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। यहां सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने नवपद प्रवचन में कहा कि जिनशासन के जरिए स्वरूप शासन को पाने की मास्टर की नवपद दर्शन, नवपद प्रीति, नवपद पूजा, नवपद ध्यान, नवपद चिंतन मनन है, नवपद निदिध्यासन है। पहले नवपद अपने में संक्रान्त हो, फिर हम नवपद में जा बैठेंगे। नवपद के ऐसे अभेद मिलन से जो पापशुद्धि और पुण्यवृद्धि होगी वही हमें और संपूर्ण जगत को दुःख से, पापों से छुडा सकेंगे। सिद्ध भगवंत अनंतगुण संपन्न है फिर भी प्रमुख तीन गुण है कि जो अरिहंत देव में भी नहीं होते हैं।

सिद्ध भगवंत अविनाशी, अशरीरी और अकर्मा है। अरिहंत भगवंत अंतिम निर्वाण पद पाने वाले होने से उनका अरिहंतत्व विनाश होगा। अघाती कामदय के कारण वे सशरीरी है और चार अघाती कर्मों के उदय में होने से वे सकर्मा भी है। किसी भी तरह के भौतिक पदार्थों के संयोग बगैर अनंत आनंद की अनुभूति होती है उसे जिस आनंद की उपमा देनी हो वह आनंद भौतिक रहेगा। ज्ञानियों ने यहां कहा है कि प्रियतमा के संग में युवान प्रेमी के भोगसुख के आनंद जैसा होता है– उससे अनंत गुना सिद्ध भगवंतों को आत्मानंद होता है। उन्हें रोग का दुःख नहीं बंधुत्व का दुःख नहीं, जनम का दुःख नहीं, आधि नहीं, व्याधि नहीं उपाधि नहीं, बस उन्हें है तमाम ‘दुःखों’ का अभाव जैसे घर छोड़कर व्यक्ति साधु बन सकता है, वैसे शरीर छोड़कर ही सिद्ध हो सकता है। सिद्ध लेने के लिए तीन महाभय टालना होता है कर्मभय, शरीर भय और विनाशभय।

जीतो लेडीज विंग द्वारा स्मॉल स्केल बिजनेस ओरिएंटेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा पहला जेबीएन अंतर्गत एसएसबी (स्मॉल स्केल बिज़नेस) ओरिएंटेशन का कार्यक्रम शुरू किया गया। यह कार्यक्रम एक रेफरल समूह शुरू करने की एक पहल थी। कार्यक्रम का शुभारम्भ नवकार महामंत्र से हुआ।

जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जीतो बिजनेस नेटवर्क (जेबीएन) रेफरल, नेटवर्किंग और डिजीटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापार और व्यवसाय को सुविधाजनक बनाकर आर्थिक सशक्तिकरण और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है, जो सीधे तौर पर सामूहिक रूप से व्यापार बढ़ाने के अपने मुख्य उद्देश्य को पूरा करता है। इस अवसर पर जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु नॉर्थ चेयरपर्सन बिंदु रायसोनी ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके आत्मविश्वास को जागृत किया।

मनोज कोचर एपेक्स जेबीएन रेफरल ग्रुप–टाइकून सदस्य ने जानकारी देते हुए कहा कि जेबीएन का मुख्य उद्देश्य सभी जैनियों को एक समुदाय के रूप में एक साथ आकर सामूहिक रूप से तेजी से बढ़ने के लिए सशक्त बनाना है तथा जैन मूल्यों को कायम रखते हुए लिंग–तटस्थ दृष्टिकोण व्यवसाय परामर्श एवम एक भरोसेमंद समर्थन प्रणाली बनाने के लिए नेतृत्व पीढ़ी को तैयार करना है। इसके अंतर्गत उपस्थित सभी सदस्यों के व्यवसाय परिचय से कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

एपेक्स एसएसबी सह संयोजक रेखा जैन ने कहा कि सदस्यों को स्पष्ट उद्देश्य प्रदान करके, जैनियों के बीच नेटवर्किंग बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया जायेगा।

विक्रम बागरेचा संयोजक, जेबीएन रेफरल ग्रुप बैंगलोर साउथ ट्रेंड सेटर सदस्य ने कहा कि वैश्विक स्तर पर जैनियों के बीच जुड़ाव पैदा करना है और जेबीएन ट्रेंड सेटर्स के माध्यम से सफल कनेक्शन प्राप्त किया जा सकता है।

जेबीएन रेफरल ग्रुप के सह संयोजक साउथ ट्रेंडसेटर सदस्य राजेश जैन ने कहा कि जेबीएन एक ऐसा मंच है जो पेशेवर विकास लेकर आया है। आमने–सामने नेटवर्किंग के अवसरों के साथ स्केलेबिलिटी और प्रबंधन में आसानी के लिए डिजिटलीकरण के मिश्रण को अपनाया जा सकता है।

जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु दक्षिण जेबीएन कन्वेनर नेहा चौधरी ने विस्तार से बताया कि व्यवसाय की शुरुआत के दौरान जेबीएन एक गेम चेंजर का कार्य करता है। उन्होंने अपनी सफलता की कहानी बताते हुए कहा की व्यवसाय के शुरुआती चरणों के दौरान उन्होंने अनेक आयामों के द्वारा अपने कैरियर को विकसित किया। मनोज कोचर ने कार्यक्रम को प्रश्नोत्तर के साथ समाप्त किया। इस कार्यक्रम में जीतो लेडीज़ विंग बेंगलूरु साउथ की संपूर्ण प्रबंध समिति के सदस्य एवम मुख्य सचिव मोनिका पिर्गल और संयुक्त सचिव नीलम ललवानी उपस्थित रहे। संयुक्त सचिव संगीता पारख ने आभार व्यक्त किया।

‘जीवन एक संगीत है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी संघ मामूलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेंद्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि मां सरस्वती के दोनों हाथों में वीणा और उसके तार जीवन में प्रेम और उसके रहस्य को दर्शाते हैं। जिस तरह वीणा के तारों में संगीत की अनगिनत धुनें छिपी हुई हैं, उसी तरह मनुष्य के अंदर भी अनेक संभावनाएं छिपी हैं। जब तक तारों को छेड़ा न जाए, तब तक संगीत पैदा नहीं होता। उसी तरह जब तक मनुष्य को ज्ञान उपलब्ध नहीं होता, तब तक उसका जीवन नीरस, दुखी और अधूरा रहता है। हाथों में वीणा हमें यह सिखाता है कि जीवन दुखी और उदास होने का नाम नहीं है, बल्कि जीवन एक संगीत है, एक सौंदर्य है, जिसे पाने के लिए हमें प्रयास करते रहना चाहिए और अपने अंदर छिपी संभावनाओं को प्रकट होने का अवसर देना चाहिए।

हाथों में पुस्तक और माला, सही ज्ञान, परख और सही निर्णय लेने की शक्ति और माला से भगवान और अपने कर्म के प्रति निष्ठा और सात्विकता का बोध होता है। पुस्तक यह बताती है कि बिना ज्ञान या आत्मज्ञान के जीवन व्यर्थ है। ज्ञान ही वह शक्ति है, जो हमें अपने असली उद्देश्य का अनुभव कराता है। माला ध्यान और जप का भी प्रतीक है... यह जीवन में आध्यात्मिकता के महत्व को समझने पर जोर देती है।

माला से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि चाहे अकेले भी खड़ा होना पड़े, लेकिन हम सही मार्ग पर ही चलें, लेकिन यह भी ध्यान रखना है कि इस कारण हम दूसरों से अलग ना हो जाएं, क्योंकि जैसे माला तमाम मोतियों से जुड़कर एक बनती है, वैसे ही हमें भी सबके साथ जुड़कर रहना है, लेकिन कोई भी मोती एक–दूसरे के ऊपर नहीं आता, सब अलग–अलग होते हैं। इसी तरह हमें भी किसी के भी गलत प्रभाव में नहीं आना है, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते जाना है। मेघराज भंसाली ने बताया कि साध्वी शीतलगुणाश्री के जन्म दिवस निमित मा भगवती श्रुत ज्ञान की देवी सरस्वती का सामूहिक महापूजन रविवार को सुबह आयोजित किया गया है। इस मौके पर मांगीलाल वेदमुथा, धीरज भंडारी, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधी मुथा आदि उपस्थित रहे।

होंगसन्द्रा में श्रीराम परिवार ने सजाया माता रानी का दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में माइको लेआउट, होंगसन्द्रा में चल रहे सोलहवें दुर्गा पूजा समारोह में माता के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। शुक्रवार की शाम को माँ शेरावाली के दरबार में पूजा व आरती के बाद आयोजित भजन संध्या में तुलसी भजन मंडली के गायकों गोपाल शर्मा, रवि शर्मा एवं महेश यादव ने माता रानी के एक से बढ़कर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्ति की ऐसी रमझट मचाई कि श्रद्धालु भावविभोर हो झूमते रहे।

माता के दरबार में आने वाले भक्तों ने भक्तिरस की मंदाकिनी में दिल खोलकर गोते लगाये और जब तक भजनों का सिलसिला चलता रहा तब तक माँ शेरावाली के जयकारों की गूंज से पंडाल गूंजता रहा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे राजगोपाल शेट्टी का श्री राम परिवार की ओर से सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय, उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी एवं शशिकांत पाण्डेय ने माता रानी की चुनरी व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। श्री राम परिवार की ओर से आयोजित नवरात्रि महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है।

माता के दरबार पंडित भगवानदास द्विवेदी द्वारा प्रतिदिन माँ शेरावाली के श्रृंगार, पूजा–अर्चना व मंगल महाआरती करवाई जाती है। इसके साथ ही विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भाग ले रहे हैं। भजन संध्या के मौके पर समिति के संस्थापक अध्यक्ष संजय शुक्ला, अध्यक्ष राकेश मिश्रा, उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजीव शुक्ला, राजू प्रसाद सहित समस्त कार्यकारिणी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्राण प्रतिष्ठा के साथ सज गया मां भगवती का दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट 'बिहार भवन' के संयुक्त तत्वावधान में 45 वां दशहरा पूजा महोत्सव के अन्तर्गत मां भगवती, भगवान गणेश, माता लक्ष्मी, माता सरस्वती एवं भगवान कार्तिकेय का प्राण प्रतिष्ठा आचार्य बिरेंद्र पांडे, प्रेम कुमार पांडे एवं भोलानाथ पांडे ने पूरे विधि–विधान से मां भगवती की पूजा अध्यक्ष मुकेश कुमार कर्ण एवं पत्नी से कराया । ज्ञातव्य हो यह अनुष्ठान पैलेस ग्राउन्ड में गेट

नं. 9 प्रिंसेस श्राइन में आयोजित है। रविवार को अष्टमी पूजन, कल नवमी पूजन एवं दशमी पूजन के पश्चात दोपहर दो बजे शोभायात्रा निकलेगी। माताजी का विसर्जन अलसूरु लेक में किया जाएगा।

प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर समिति अध्यक्ष के. के. सिंह (कुमार बाबू) उपाध्यक्ष अमित सिंह, सचिव सुबोध सिंह, जे. पी. सिंह, प्रमोद साही, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे, एस. पी. सिंह, अरविंद शर्मा, नवीन मिश्रा, राम कवल सिंह, विमलेश कुमार, शंभू सिंह, एस. एन. भगत, रंजित शर्मा, जय प्रकाश उपाध्याय, सुमेश्वर सिंह, रविन्द्र कुशवाहा, धर्मेश केनेडी, भूपेंद्र सिंह, अमित अनुपम, रमाशंकर गुप्ता, विभा सिंह, आशा देवी, जसवीर सिंह, सुनीता शर्मा, सुधा मिश्रा अनीता गुप्ता एवं सैकड़ों भक्त सपरिवार उपस्थित थे।

सिद्ध पद नौ पदों में विशिष्ट कोटि का पद है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अक्कीपेट में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने आज नवपद आराधना के द्वितीय दिवस पर द्वितीय पद कि महिमा वर्णन करते हुए कहा कि सिद्ध पद नौ पदों में विशिष्ट कोटि का पद है। वैसे देखा जाए तो सिद्ध परमात्मा में जो शक्ति है वह आप और हम सभी में भारी पड़ी है किंतु हमारे में वह शक्ति बादलों से ढके सूर्य के समान है और सिद्ध परमात्मा कि उस शक्ति से आवरण हटा हुआ है। उन्होंने आठों कर्मों को नष्ट कर दिया है इसलिए वे सिद्ध बन गए हैं। हम सभी के ऊपर सिद्ध परमात्मा का परम उपकार है। वे हमारे अनंत उपकारी है। सिद्ध यदि सिद्ध नहीं हुए होते तो हम भी अपनी विकास यात्रा शुरू नहीं कर पाते क्योंकि सृष्टि का नियम ऐसा ही है कि एक आत्मा सर्व कर्मों का क्षय कर मोक्ष को प्राप्त करती है सिद्ध बनती है तब एक आत्मा सूक्ष्म निगोद से बाहर निकलकर बादर निगोद में आती है अर्थात अव्यवहार राशि से व्यवहार राशि में आती है तब विकास का क्रम शुरू होता है अतः सिद्धों को नमस्कार। साध्वीजी ने आगे कहा कि सिद्ध परमात्मा का सुख अनंत है। सिद्धों का वर्ण लाल है। लाल रंग आत्मा की लालिमा का सूचक है। नौ ग्रहों में सूर्य और मंगल का वर्ण भी लाल है। सूर्य और मंगल जिसे कष्ट दे रहे हैं या कोई इन ग्रहों से पीड़ित हो तो वह भी सिद्ध पद का ध्यान करें तो पीड़ा से मुक्त हो सकते हैं। अतः सिद्ध पद का ध्यान साधना करें।

इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने श्रीपाल मैनासुंदरी के चरित्र का बड़े रोचक ढंग से वर्णन किया। साध्वी प्रियंगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। आज के नवकार महामंत्र जाप के लाभार्थी सुमित्राबाई बाबूलाल, भरतकुमार संजयकुमार कातरेला परिवार थे। आज धर्मसभा में यादगिरी का श्रीसंघ दर्शनार्थ उपस्थित हुआ। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

मुद्राकोष की दूसरी किस्त से बहुपक्षीय कर्जदाताओं का बकाया निपटाएगा श्रीलंकाः मंत्री

कोलंबो/भाषा। गहरे आर्थिक संकट से जूझ रहा श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) से मिली राहत पैकेज की दूसरी किस्त का इस्तेमाल अपने बहुपक्षीय कर्जदाताओं का बकाया कर्ज चुकाने और अपनी कर्ज पुनर्गठन प्रक्रिया को तेज करने में करेगा।

श्रीलंका के वित्त राज्य मंत्री शेहान सेमासिंघे ने शुक्रवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुद्राकोष से राहत पैकेज की दूसरी किस्त के रूप में मिलने वाले 33 करोड़ डॉलर कोष से वह विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसे बहुपक्षीय संस्थानों को बकाया भुगतान कर सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे श्रीलंका को अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ कर्ज पुनर्गठन प्रक्रिया तेज करने में मदद मिलेगी।

आईएमएफ ने इस साल मार्च में श्रीलंका के आर्थिक सुधारों को गति देने के लिए चार साल के भीतर 2.9 अरब डॉलर का राहत पैकेज देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

श्रीलंका पिछले साल की शुरुआत में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण गहरे आर्थिक संकट में फंस गया था। हालांकि लगातार उठाए गए कदमों से स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं लेकिन आर्थिक स्थिरता पूरी तरह बहाल नहीं हो पाई है। इस बीच आईएमएफ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि श्रीलंका को अपना राजस्व बढ़ाने और बेहतर प्रशासन पर जोर देने की जरूरत है।

प्राचीन तीर्थों की यात्रा सम्पन्न कर संघ का बेंगलूरु शुभागमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अनेक प्राचीन तीर्थों के दर्शन वन्दन करने हेतु सौ से अधिक यात्रियों का नव दिवसीय राजशाही हवाई यात्रा संघ का बेंगलूरु आगमन 21 अकटूबर को हुआ। विजयलक्ष्मी कोठारी के द्वितीय वर्षीतप की तपस्या के निमित्त कमलादेवी माणकचन्द कोठारी परिवार के अरविन्द कुमार, अजित कुमार, राजेंद्र कुमार, भरत कुमार कोठारी परिवार ने इस यात्रा का आयोजन किया था। इस यात्रा में शंखेश्वर, गिरनार, पालीताणा जैसे अति प्राचीन और प्रभावशाली तीर्थों की यात्रा सम्पन्न हुई। यात्रा के आयोजक अरविन्द कोठारी ने कहा कि परमात्मा के दर्शन हमारे अनेक अशुभ कर्मों को नष्ट करने वाले होते हैं और शुभ भाव से की हुई परमात्मा की आराधना हमें मोक्ष गति को प्रदान करने वाली होती है। अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि प्रत्येक तीर्थ में परमात्मा की वासक्षेप पूजा, अभिषेक पूजा, केसर चंदन पूजा के साथ आरती उतारी गई और प्रतिदिन रात्रि में परमात्मा की भक्ति रचाई गई और संघ यात्रा के बहुत ही सुन्दर संचालन और व्यवस्थाओं के लिए संघपति परिवार की भूरी भूरी अनुमोदना की। इस यात्रा संघ में तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान से अनेक यात्री जुड़े और परमात्मा की भक्ति की। वानियम्बाडी जैन संघ के अध्यक्ष मदनलाल मेहता और चिदाम्बरम जैन महिला मंडल की अध्यक्ष इन्द्रा कोठारी ने प्राचीन तीर्थों की यात्रा करवाने हेतु संघपति परिवार का आभार जताया। मणिलक्ष्मी तीर्थ में संघपति परिवार ने समस्त तीर्थ यात्रिओं के पाद प्रक्षालन और उन्हें संघपूजा प्रदान कर संघ भक्ति की और संघ में हुई किसी भी प्रकार की असुविधा के लिए मिच्छामि दुक्कडम दिया। समस्त यात्रियों ने संघपति और तपस्यार्थी का तिलक, शाल और माला द्वारा सम्मान किया।

वैशाली जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति में चल रहा है उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बिलेकहल्ली में श्री सलासर मंदिर परिसर में श्री वैशाली जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति की ओर से 21 अक्टूबर को दुर्गा महासप्तमी पूजा, मुख मंडल दर्शन, मंगला आरती, पुष्पांजलि पंडित अजीत झा के द्वारा की गई। कार्यक्रम में बिहार से आए गायक मण्डली ने भक्तों के समक्ष प्रस्तुति दी। पूजा की व्यवस्था अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सचिव मुकेशकुमार सिंह, प्रवीणकुमार पांडेय,उपाध्यक्ष पंकज सिंह, कोषाध्यक्ष धीरेंद्रसिंह ,एके गुप्ता, निशांत द्विवेदी, सुरेश विश्वकर्मा आदि सदस्यों द्वारा की गई। रविवार को अष्टमी पूजन एवं सोमवार महानवमी पूजन तथा कन्या पूजन का आयोजन हैं।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com